Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ●Friday, 12 September 2025 ●Year : 03 ●Issue : 238 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मुझे गर्व है कि मैं ऐसे धर्म से हूं, जिसने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का ज्ञान दिया है। हम विश्व के सभी धर्मों को बराबर सम्मान देते हैं।

–स्वामी विवेकानंद

Who Needs Promo When Divya Khossla's Dance...

SHARE

सेंसेक्स	:	81,548.73
निफ्टी	:	25,005.50

SARAFA

सोना	:	9,999.99
चांदी	:	140.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीपी राधाकृष्णन आज लेंगे उपराष्ट्रपति पद की शपथ

NEW DELHI : नव निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर यानी शुक्रवार को अपने पद की शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शुक्रवार को सुबह 10 बजे सीपी राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। बता दें कि महाराष्ट्र के राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता सीपी राधाकृष्णन ने 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत हासिल की। उन्हें 452 वोट मिले थे। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 मत डाले गए थे। इनमें से 752 वोट वैध पाए गए, जबकि 15 वोट अमान्य घोषित किए गए।

सीआरपीएफ ने राहुल पर सुरक्षा प्रोटोकॉल उल्लंघन का लगाया आरोप

NEW DELHI : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आवाजाही के दौरान कथित तौर पर कुछ सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता 55 वर्षीय गांधी को ह्यजेड प्लस (एएसएल)ह्व सशस्त्र सुरक्षा प्रदान करती है। जब भी राहुल गांधी कहीं जाते हैं, लगभग 10-12 सशस्त्र सीआरपीएफ कमांडो उन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्नत सुरक्षा संपर्क (एएसएल) के एक भाग के रूप में, बल गांधी द्वारा दौरा किए जाने वाले स्थानों का प्रारंभिक निरीक्षण करता है।

ट्रंप के करीबी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या

WASHINGTON : अमेरिका में उताह के एक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। किर्क अपने गैर लाभकारी राजनीतिक संगठन टर्निंग पॉइंट यूएसए द्वारा उताह वैली विश्वविद्यालय के सोरेंसन सेंटर प्रांगण में आयोजित एक बहस में बोल रहे थे। गोलीबारी से ठीक पहले, किर्क एक दर्शक द्वारा भीड़ पर गोलीबारी करने और हिंसा के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

केवल साझेदार नहीं, बल्कि परिवार हैं भारत और मॉरीशस : पीएम मोदी

AGENCY VARANASHI : गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता के बाद कहा कि भारत और मॉरीशस केवल साझेदार नहीं बल्कि परिवार हैं। भारत और मॉरीशस दो राष्ट्र हैं, लेकिन हमारे सपने और नियति एक हैं। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसी देश के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मुलाकात की। काशी में आयोजित इस मुलाकात के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों की मौजूदगी में भारत और मॉरीशस के बीच सात प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इनमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के साथ भारतीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और मॉरीशस ओशनोग्राफी संस्थान के बीच समझौता, भारत के कर्मयोगी भारत कार्यक्रम और मॉरीशस के लोकसेवा मंत्रालय के बीच साझेदारी, विद्युत क्षेत्र में सहयोग, लघु विकास परियोजनाओं के दूसरे चरण में भारतीय अनुदान सहायता, हाइड्रोग्राफी क्षेत्र में समझौता नवीनीकरण और अंतरिक्ष अनुसंधान और अनुप्रयोगों के लिए उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों के लिए ट्रैकिंग एवं टेलीमेट्री स्टेशन स्थापित करने पर सहयोग शामिल हैं। इसके अलावा शिक्षा और शोध के लिए आईआईटी मद्रास व यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट व यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच दो अलग समझौते हुए।

- काशी में मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच हुए 7 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर
- पहली बार किसी राष्ट्राध्यक्ष से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मिले प्रधानमंत्री
- सांस्कृतिक आत्मीयता का प्रतीक है काशी और मॉरीशस का मधुर रिश्ता

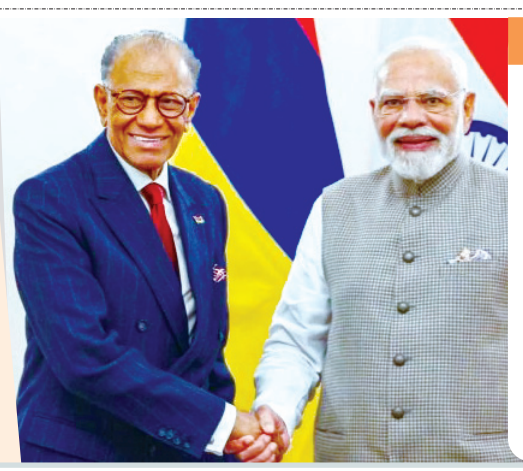

काशी भारत की संस्कृति की आत्मा का प्रतीक

मॉरीशस की संप्रभुता के साथ खड़ा है भारत

पीएम ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा मॉरीशस के उपनिवेशवाद-विरोधी रुख और उसकी संप्रभुता के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने मॉरीशस की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष आर्थिक पैकेज तैयार किया है, जिससे बुनियादी ढांचे को मजबूती, रोजगार सृजन और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊर्जा मिलेगी। मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष मॉरीशस में यूपीआई और रूपे कार्ड की शुरुआत हुई थी।

मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का विषय है कि उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र काशी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री का स्वागत करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, अनादिकाल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवनधारा में रच-बस गए। मोदी ने कहा कि मार्च में उन्हें मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था, जहां दोनों देशों ने संबंधों को संवर्धित रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया। उन्होंने चागोस समझौते पर मॉरीशस को बधाई दी और कहा कि यह उसकी संप्रभुता की ऐतिहासिक जीत है।

निरंतर सहयोग के लिए डॉ. रामगुलाम ने जताया आभार

मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने भारत के निरंतर सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, भारत ने स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, अक्षय ऊर्जा, अवसंरचना और समुद्री सुरक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में उदार सहयोग किया है। यह विशेष आर्थिक पैकेज हमारे लिए शिक्षा, ऊर्जा, अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं में नई संभावनाएं खोलेगा। आयुर्वेदिक केंद्र भी भारत के सहयोग से एक अद्वितीय पहल होगी।

सीएम ने नगर विकास एवं आवास विभाग के लिए अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र, बोले-

राज्य की बेहतरी के लिए पूरी निष्ठा से करें जिम्मेदारियों का निर्वहन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड को मजबूत और बेहतर बनाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इस कड़ी में नियुक्तियों के साथ-साथ सभी सेक्टरों में लगातार कार्य हो रहे हैं। राज्य का सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत नवचयनित 19 अभ्यर्थियों में नियुक्ति पत्र वितरण किया। इस दौरान उन्होंने झारखंड पर्यटन एवं झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के लोगो और वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप आज से सरकार के एक अभिन्न के रूप में जुड़ रहे हैं। राज्य का समुचित विकास हो, इसके लिए आप पूरी निष्ठा और कुशलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे, मुझे पूरी उम्मीद है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों से कहा कि नगरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर नागरिक सुविधा तथा सेवा देने की दिशा में आपकी भूमिका काफी अहम होगी।

- जेटीडीसी के लोगो और वेबसाइट को भी किया गया लॉन्च
- सभी सेक्टरों में लगातार किए जा रहे कार्य सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिबद्धता
- पर्यटक स्थलों को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने की पहल

विकास के लिए जारी रहेगा नियुक्तियों का सिलसिला

शहरों का योजनाबद्ध तरीके से हो विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गांव से शहरों की ओर लोग आ रहे हैं। इस वजह से शहर का आकार और जनसंख्या तेज गति से बढ़ रहा है। ऐसे में शहरों का व्यवस्थित तथा योजनाबद्ध तरीके से विकास जरूरी है। जिससे कि शहरों में उपलब्ध व्यवस्था को और बेहतर बनाने के साथ शहरवासियों को अच्छी नागरिक सुविधा और सेवाएं दे सकें। उन्होंने कहा कि अगर शहर अव्यवस्थित तरीके से फैलेंगे तो उसके कई दुष्परिणाम और समस्याएं सामने आएगी। जिसका समाधान काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुदरत ने झारखंड को ना सिर्फ खनिज संपदा, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य का भी अनोखा उपहार दिया है। झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। लेकिन, कहीं ना कहीं किसी न किसी कारण से यह क्षेत्र अब तक विकास से अछूता रहा था। लेकिन, हमारी सरकार अपने राज्य की समृद्ध सामाजिक सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक खूबसूरती को देश-दुनिया के मानचित्र पर पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में आज पर्यटन विभाग से जुड़े लोगो एवं वेबसाइट का अनावरण किया गया है।

अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलने से यहां की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। यहीं वजह है कि हमारी सरकार यहां के पर्यटक स्थलों के आकर्षक विकास के साथ-साथ आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को जितना बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे राज्य के स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका सीधा फायदा यहां के सुदूर और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

हिंसाग्रस्त नेपाल में बढ़ाई गई निषेधाज्ञा, कुछ समय के लिए मिली आवाजाही की अनुमति

KATHMANDU @ PTI : गुरुवार को नेपाल की सेना ने काठमांडू घाटी के तीन जिलों में निषेधाज्ञा बढ़ा दी है तथा कुछ निश्चित समयावधि के लिए लोगों की आवाजाही की अनुमति दे दी है। इससे हिंसक प्रदर्शनों के बाद इस हिमालयी राष्ट्र में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। इन हिंसक प्रदर्शनों के कारण केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। सेना सड़कों पर पहरा दे रही है, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। नेपाल सेना की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया है कि काठमांडू घाटी के तीन जिलों काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर में सुबह छह बजे से कर्फ्यू हटा लिया गया है। सेना द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि आम जनता को आवश्यक कार्यों के लिए कुछ घंटों की आवाजाही की अनुमति देने के बाद प्रतिबंधात्मक आदेश सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक लागू रहेंगे। इसमें कहा गया है कि शाम पांच बजे से सात बजे तक ढील के बाद शुक्रवार शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लागू रहेगा। कर्फ्यू हटते ही लोग जरूरी सामान खरीदने के लिए बाजारों, दुकानों और किराने की दुकानों की ओर दौड़ पड़े। सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन ही दिखे।

हिंसा में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 34 : स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के अनुसार, रविवार शाम से 'जेन जी' समूह के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। बुधवार शाम जारी एक बयान में मंत्रालय ने बताया कि 1,061 लोग घायल हुए हैं। घायलों में से 719 को छुट्टी दे दी गई है, जबकि 274 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- सेना सड़कों पर दे रही पहरा, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में स्थिति शांतिपूर्ण
- कर्फ्यू हटते ही जरूरी सामान खरीदने के लिए किराने की दुकानों की ओर दौड़ पड़े लोग
- काठमांडू में एक जेल से भागने के दौरान सेना की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

अंतरिम नेतृत्व पर कई नामों की चर्चा

सूत्रों ने बताया कि अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की, काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह और बिजली बोर्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलमन घीसिंग में से किसे अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए प्रदर्शनकारी 'जेन जी' समूह द्वारा अंतिम रूप से चुना जाएगा।

गिरा बीसीसीएल का क्वार्टर, तीन की मौत, छह घायल

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस, बुलडोजर से ध्वस्त किए गए खाली आवास

PHOTON NEWS JHARIA : तेज बारिश की वजह से बुधवार की देर शाम लोदना-8 नंबर में बीसीसीएल का खाली व जर्जर क्वार्टर भरभराकर गिर गया। इस दुर्घटना में बारिश से बचने के लिए क्वार्टर के अंदर रुके 9 लोग आवास के मलबे में दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें से 3 लोगों की हालत काफी गंभीर होने की वजह से झरिया के एक नर्सिंग होम में इलाज के लिए भेज दिया। वहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख सभी को धनबाद एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में लोदना-4 निवासी गोपाल मिस्त्री (30), उसकी भांजी सुषमा कुमारी (12) व बीसीसीएल कर्मी करमु पासवान का पुत्र चिराग कुमार (12) है। घटना में घायल शंभू पासी, आर्यन कुमार, आकिब अंसारी, सचिन यादव, अभि कुमार व बंटी कुमार इलाजरत हैं। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। मालूम हो कि लोदना-8 नंबर के कई लोगों को बीसीसीएल प्रबंधन व सुशी परियोजना के विस्तार व बस्ती के बीच से सड़क बनाने के लिए कुसुम बिहार व करमाटांड़ में आवास आवंटन किया गया था। कई लोग अपना घर खाली कर चले भी गए, पर खाली क्वार्टरों को बीसीसीएल द्वारा तोड़ा नहीं गया।

दो घंटे बाद पहुंचे, डीएसपी व झरिया सीओ

दुर्घटना के लगभग दो घंटे बाद सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार व झरिया सीओ घटनास्थल पहुंचे। डीएसपी ने मौके पर मौजूद एक साइकिल व ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। डीएसपी ने कुछ लोगों को वार्ता के लिए लोदना ओपी बुलाया। डीएसपी ने लोगों से पूरी जानकारी ली। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि परिजनों की लिखित शिकायत पर कार्रवाई की जाएगी।

गीला-सूखा कचरा अलग नहीं रखने वालों पर लगेगा 5000 रुपये जुर्माना

RANCHI : रांची नगर निगम स्वच्छता को बेहतर बनाने और स्वच्छ रांची-स्वस्थ रांची के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में कचरे के स्रोत पर पृथक्करण (गीला और सूखा कचरा अलग करना) को प्रोत्साहित करने को लेकर प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निगम पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। प्रशासक ने कहा कि जो कचरा पृथक नहीं करेंगे, उनके भवन के बाहर नोटिस चस्पा किया जाएगा और 5000 रुपये तक जुमार्ना लगाया जाएगा।

'जेन-जी' समूह ने की संसद भंग करने और संविधान में संशोधन की मांग

सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे 'जेन-जी' समूह ने कहा कि संसद को भंग किया जाना चाहिए और लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने अपने विचार व्यक्त करने के लिए यहां एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जबकि उनके कुछ प्रतिनिधि वर्तमान राजनीतिक संकट का समाधान खोजने के लिए सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल के साथ विचार-विमर्श में व्यस्त थे। इस अवसर पर 'जेन जी' कार्यकर्ताओं ने बातचीत और सहयोग के माध्यम से समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। 'जेन जी' समूह के प्रतिनिधि दिवाकर दंगल, अमित बनिया और जुनल दंगल ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने पुराने राजनीतिक दलों को चेताया कि वे अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका इस्तेमाल न करें।

नई पहल पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में इनोवेशन पर किया जा रहा खास फोकस

रिसर्च के क्षेत्र में नए आयाम गढ़ रही आरडीआई योजना

PHOTON NEWS RESEARCH DESK : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया में विकास के ऐसे पायदान पर रखने के विजन से कम कर रहे हैं, जहां रिसर्च के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल करने की ओर आगे बढ़ रहा है। इस दृष्टि से इस साल जुलाई में शुरू की गई रिसर्च, डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) योजना को देखा जा सकता है। सेंट्रल कैबिनेट की स्वीकृति मिलने के बाद तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ रहे हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहीं रिसर्च की गतिविधियों की प्रधानमंत्री मोदी स्वयं निगरानी कर रहे हैं। गौरतलब है कि यह योजना एक लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ अगले 50 वर्षों में भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचारकर्ता बनाने की महत्वाकांक्षा को मूर्त रूप देती है। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य देश में दीर्घकालिक, उच्च जोखिम वाले और अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निजी निवेश को आकर्षित करना है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप स्वदेशी नवाचार को जमीन पर उतारा जा सके।

तकनीकी आत्मनिर्भरता व वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में बढ़ रहे ऐतिहासिक कदम

- उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचारकर्ता बनाने की महत्वाकांक्षा को मूर्त रूप देती है यह स्कीम
- योजना पर अगले 50 वर्षों में लगभग एक लाख करोड़ रुपये खर्च करने का है बजट
- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप स्वदेशी नवाचार को जमीन पर किया जा रहा प्रेरित
- विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी महत्वपूर्ण गतिविधियों की स्वयं प्रधानमंत्री कर रहे निगरानी

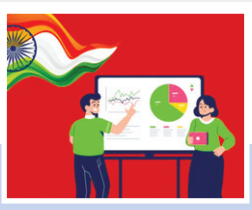

- अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निजी निवेश को आकर्षित करने का तेजी से किया जा रहा काम

सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ेगी भूमिका

देखा जाए तो अब तक अनुसंधान और नवाचार का अधिकांश भार सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और विश्वविद्यालयों पर रहा है। देश का कुल अनुसंधान व्यय आज भी सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.6% से 0.7% है, जो समय की मांग के हिसाब से कम है। सरकार की यह नई योजना इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास कर रही है, ताकि निजी पूंजी को अनुसंधान के क्षेत्र में लाया जा सके और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था की नींव मजबूती बने।

बहुस्तरीय है योजना की संरचना

इस स्कीम का स्ट्रक्चर यानी संरचना बहुस्तरीय है। इसे अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा। इसकी सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति की अध्यक्षता स्वयं प्रधानमंत्री करे रहे हैं। इसके अधीन एक कार्यकारी परिषद है, जो विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर योजना के दिशा-निर्देश तैयार कर रही है। इसके अलावा, कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में सचिवों का एक समूह योजना की निगरानी और प्रगति का आकलन कर रहा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को योजना के समन्वय और नीतिगत क्रियान्वयन का प्रमुख प्रभार सौंपा गया है।

75 साल के हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

- 2009 से सरसंघचालक के रूप में निभा रहे प्रभावशाली भूमिका
- पीएम नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने की नेतृत्व की सराहना

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार यानी 11 सितंबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत 75 साल के हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन के कई नेताओं ने आरएसएस के उनके नेतृत्व की सराहना की। गौरतलब है कि भागवत 2009 से सरसंघचालक के रूप में संगठन के विस्तार और अल्पसंख्यकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्हें एक मिलनसार, स्पष्टवादी आवाज के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा के साथ सुचारू संबंध सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि 1998 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी नीत गठबंधन सरकार के दौरान दोनों संगठनों के बीच संबंधों में जो सार्वजनिक कटुता आई थी, वह 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद से नहीं दिखे।

वसुधैव कुटुंबकम का जीवंत उदाहरण

प्रधानमंत्री मोदी ने मोहन भागवत की 'बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व' की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2009 से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल इस संगठन की 100 साल की यात्रा में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। भागवत के 75वें जन्मदिन पर गुरुवार को कई अखबारों में प्रकाशित लेख में मोदी ने कहा कि संघ प्रमुख 'वसुधैव कुटुंबकम' का जीवंत उदाहरण हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में समर्पित किया है।

बोकारो में अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवारों को कुचला, पति-पत्नी की मौत

औद्योगिक क्षेत्र में हुई दुर्घटना, चालक पकड़ाया, लोगों ने किया सड़क जाम

PHOTON NEWS BOKARO: बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बियाडा (बोकारोऔद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार) के गोविंद मार्केट चौराहे पर गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दंपती को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतकों की पहचान गोडाबाली गांव निवासी संजीव कुमार सिंह और उनकी पत्नी के रूप में हुई है। हादसे के दौरान ही मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बोकारो-रामगढ़ हाईवे जाम कर दिया, जिससे आमजन और स्कूली बच्चों को भी परेशानी हुई। लगभग चार घंटे तक सड़क जाम के बाद अंचल अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। लोगों की मांग है कि तत्काल सड़क के चौड़ीकरण एवं वाहनों की आवाजाही की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में दुर्घटना न हो। जानकारी के अनुसार, संजीव कुमार सिंह अपनी पत्नी के साथ गोविंद मार्केट किसी काम से आए थे। उन्होंने अपनी बाइक सड़क किनारे रोकी थी, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। बताया जाता है कि बोकारो औद्योगिक क्षेत्र में प्रतिदिन दो हजार से अधिक भारी वाहन गुजरते हैं। इंडियन ऑयल गैस प्लांट, डालमिया सीमेंट, भारत पेट्रोलियम गैस प्लांट, एचपीसीएल डिपो समेत कई बड़ी औद्योगिक इकाइयों से प्रतिदिन भारी वाहनों की आवाजाही होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बियाडा क्षेत्र की सड़क का निर्माण हुए 23 साल बीत चुके हैं। जब यह सड़क बनी थी, तब अधिकांश उद्योग बंद थे, लेकिन अब अधिकांश इकाइयां चालू हो चुकी हैं, जिससे वाहनों और मजदूरों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। दूसरी ओर सड़क के किनारे अतिक्रमण चरम पर है। सड़क किनारे जगह-जगह अवैध कब्जे और वाहनों की तेज रफ्तार के कारण इस वर्ष अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन शीघ्र अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण और यातायात नियंत्रण की ठोस व्यवस्था करे।

दुर्घटना के बाद ट्रक में फंसी बाइक ● फोटोन न्यूज

हजारीबाग में चार फर्जी एसीबी अधिकारी गिरफ्तार, दवा दुकानदारों से कर रहे थे वसूली

HAZARIBAG : हजारीबाग पुलिस ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए खुद को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) का अधिकारी बताने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी कटकमसांडी थाना क्षेत्र के डांटो खुर्द गांव में मेडिकल स्टोर संचालकों से अवैध वसूली कर रहे थे। एडिशनल एसपी अमित कुमार ने गुरुवार को बताया कि ये चारों स्कॉर्पियो से मेडिकल स्टोर पहुंचे थे। उन्होंने फॉर्मल कपड़े पहन रखे थे, गले में नकली पहचान पत्र थे और पैरों में पुलिस के लाल जूते। उनकी स्कॉर्पियो पर 'एंटी करप्शन ब्यूरो' का बोर्ड भी लगा हुआ था। आरोपियों ने प्रत्येक दुकान से लाइसेंस जांच के नाम पर 10,000 रुपये की मांग की। हालांकि, उनकी संदिग्ध हरकतों को देखकर ग्रामीणों को शक हुआ। उन्होंने तुरंत स्कॉर्पियो को रोककर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हजारीबाग के नंदूवीर राम, धनेसर राम, बोकारो के महेश पासवान और चतरा के अयोध्या पासवान के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कॉर्पियो, फर्जी बोर्ड, चार नकली आईडी कार्ड, चार जोड़ी पुलिस जूते, एक मुहर और 2,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

बाजार आई महिला की गई जान, बेटा गंभीर रूप से घायल

HAZARIBAG : बरही थाना अंतर्गत करियातपुर साप्ताहिक हाट के पास गुरुवार को सड़क दुर्घटना में रानीचुआं ग्राम निवासी गुड़िया देवी की मौत हो गई। हादसे में उसका पांच वर्षीय बेटा अविनाश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, महिला अपने बेटे को गोद में लेकर बाजार से लौट रही थी। इसी दौरान सब्जी लदा पिकअप वैन बरकट्ठा से बरही की ओर जा रहा था। वाहन ने सड़क किनारे चल रही महिला और बच्चे को टक्कर मार दी। धक्का लगते ही अविनाश सड़क किनारे गिर गया, जबकि गुड़िया देवी वाहन में फंस गईं। वैन ने उसे कुछ दूरी तक घसीट लिया। महिला का एक पैर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा दोनों मां-बेटे को बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि उसके बेटे को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बरही के थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने बताया कि पिकअप वैन को जब्त कर लिया गया है। हादसे की खबर फैलते ही बरसोत पंचायत के मुखिया मोतीलाल चौधरी, रानीचुआं के मुखिया प्रतिनिधि रामचंद्र टुडू, वरिष्ठ समाजसेवी गाजो टुडू, राजदेव यादव सहित कई ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। परिजन अत्यंत दुखी हैं। महिला की एक पुत्री समेत तीन छोटे बच्चे हैं। बताया गया कि वह अपने छोटे बेटे अविनाश को लेकर घरेलू सामान लेने बाजार गई थी।

अस्पताल में इलाजरत बच्चा

BRIEF NEWS

श्मशान घाट के पास मिली अवैध शराब फैक्ट्री

HAZARIBAG : दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत झुमरा श्मशान घाट के पास खाली मैदान में एक बंद घर से पुलिस ने अवैध शराब बनाने वाली मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की कार्रवाई में भारी मात्रा में शराब बनाने का सामान और नकली ब्रांडिंग सामग्री बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापामारी कर घर से लेबल, ढक्कन, स्टीकर, रैपर, खाली बोतल सहित बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की। इसके अलावा मौके से कुछ तैयार की हुई रंगीन शराब और बोतलबंद शराब भी बरामद की गई। पुलिस का कहना है कि इस मिनी फैक्ट्री में नकली शराब तैयार कर विभिन्न इलाकों में खपाने की योजना थी। छापामारी के दौरान आरोपित मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और शराब माफिया तक पहुंचने के लिए छानबीन जारी है।

साहिबगंज में महिला मजदूर को डंपर ने रौंदा

SAHIBGANJ : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत साक्षरता चौक के पास गुरुवार की सुबह एक डंपर ने चानन निवासी 35 वर्षीय कुंता देवी को रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। कुंता देवी मजदूरी करने के लिए बरहड़वा जा रही थी। उसने पड़ोस के एक युवक को साइकिल से साहिबगंज रेलवे स्टेशन तक छोड़ने को कहा था। वह साइकिल पर पीछे बैठी हुई थी। इसी बीच साक्षरता चौक के पास सामने से आ रहे डंपर ने धक्का मार दिया, जिससे महिला सड़क पर गिर गई। डंपर उसके ऊपर से गुजर गया। इस दुर्घटना में साइकिल चला रहा युवक भी घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को सदर अस्पताल भेजा। घटना के बाद चालक डंपर लेकर भागा, लेकिन कुछ लोगों ने उसका पीछा करना शुरू किया, तो भरतिया पेट्रोल पंप के पास चालक डंपर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने उसे जब्त कर लिया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। सूचना मिलने पर पहुंची जिरवाबाड़ी थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला के पति पप्पू साह की दो माह पहले ही मौत हुई थी। उसे दो लड़का व एक लड़की। लड़की की शादी हो चुकी है। एक लड़का 10 तो दूसरा 12 साल का है।

अपराधियों का सरकारी तंत्र पर कब्जा : नीलकंठ

KHUNTI : सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता सूर्या हांसदा की मुठभेड़ की सीबीआई जांच करानेऔर नगड़ी के रैयतों को रिम्स 2 के नाम पर छीनी जा रही जमीन किसानों को वापस दिलाने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने गुरुवार को खूंटी प्रखंड मुख्यालय में प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व ग्रामीण मडल अध्यक्ष मदन मोहन गोप और नगर मण्डल अध्यक्ष अर्जुन पाहन ने किया। प्रदर्शन के बाद राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन प्रखंड पदाधिकारी को सौंपा गया। मौके पर राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि संवेदनहीन भ्रष्ट और निकम्मी हेमंत सरकार में राज्य की स्थिति दिनों-दिन बद से बदतर होती जा रही।

पेड़ से गिरकर हुए घायल की इलाज के दौरान मौत

अस्पताल पहुंचे परिजन व अन्य

KODERMA : जिले के मरकच्चो थाना अंतर्गत मुर्कमनाय गांव में गुरुवार दोपहर एक व्यक्ति के सिर पर पेड़ की टहनी गिरने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मुर्कमनाय निवासी चंदन कुमार राय (52)के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के भतीजे रंजीत राय ने बताया कि उनके चाचा को बगल गांव के प्रकाश साव ने एक पेड़ कटवाने के लिए मुर्कमनाय के बगल के गांव नावाडीह बुलाया था। वे और तीन-चार अन्य लोग उक्त पेड़ की कटाई के लिए वहां पहुंचे। पेड़ काटने के दौरान चंदन राय और उनके साथी पेड़ की एक टहनी को रस्सी से बांधकर नीचे की ओर खींच रहे थे। इसी दौरान रस्सी का संतुलन बिगड़ गया और पेड़ की टहनी इनके सिर पर गिर गई। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि चाचा के घायल होने के बाद वहां मौजूद इनके अन्य साथियों ने आनन फानन में उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा लाया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

दानापुर-राजगीर एक्सप्रेस का कोडरमा तक हुआ विस्तार

KODERMA : यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने पूर्व-मध्य रेलवे की 9 जोड़ी ट्रेनों के मार्ग विस्तार को मंजूरी दी है। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के सीपीआरओ सरस्वती चंद ने बताया कि ट्रेनों के विस्तार से यात्रियों को दुर्गा पूजा, दीपावली, छठ समेत अन्य पर्व-त्योहारों में यात्रा करने में बड़ी राहत मिलेगी। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 13234/13233 दानापुर-राजगीर-दानापुर एक्सप्रेस का विस्तार कोडरमा तक किया गया है। अब 13234 ट्रेन दानापुर से सुबह 6.50 बजे खुलकर निर्धारित ठहराव पर रुकते हुए 10.35 बजे राजगीर पहुंचेगी। यहां से 10.40 बजे प्रस्थान कर नटेसर, तिलैया, पहाड़पुर, गुरपा और गझंडी स्टेशनों पर रुकते हुए दोपहर 1.55 बजे कोडरमा पहुंचेगी। वापसी में 13233 ट्रेन कोडरमा से दोपहर 2.40 बजे खुलेगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 5.55 बजे राजगीर पहुंचेगी। यहां से शाम 6 बजे रवाना होकर निर्धारित समय पर रात 9.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इस मार्ग विस्तार से कोडरमा और आसपास के यात्रियों को राजगीर और पटना जाने में सीधी सुविधा मिलेगी।

कोडरमा में शादी का झांसा देकर सहकर्मी का यौन शोषण

● एसपी ऑफिस का अकाउंटेंट भेजा गया जेल

KODERMA : कोडरमा जिले के एसपी ऑफिस में कार्यरत अकाउंटेंट अभिमन्यु कुमार को यौन शोषण के मामले में अदालत ने दोषी करार दिया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय संजय चौधरी की अदालत ने गुरुवार को सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी पाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अभिमन्यु कुमार पर उसी के विभाग में कार्यरत महिला सहकर्मी से शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप था। बताया जा रहा है कि दोनों पुलिस केंद्र कोडरमा में रहते थे, जहां उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं। महिला का आरोप था कि आरोपी ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मुकर गया। मामले का पर्यवेक्षण तत्कालीन एसडीपीओ स्तर पर किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभारी लोक अभियोजक प्रवीण कुमार सिंह ने प्रभावी ढंग से पैरवी की, जिसके फलस्वरूप आरोपी को दोषी ठहराया गया। वर्तमान में अभिमन्यु कुमार कोडरमा एसपी कार्यालय में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत था। न्यायालय अब 16 सितंबर को सजा के निर्धारण पर सुनवाई करेगा।

प्रतीकात्मक तस्वीर

हाथियों ने युवक को कुचलकर मार डाला

LOHARDAGA : कैरो थाना क्षेत्र के गोपालगंज पतरा में हाथियों ने एक युवक को कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान नायाटोली गांव निवासी याकूफ अंसारी के पुत्र इरफान अंसारी (23) के रूप में हुई है। घटना गुरुवार देर शाम की बताई जा रही है। इरफान चाल्हो की ओर से घर लौट रहा था, तभी जंगल में मौजूद हाथियों के झुंड से एक हाथी बिछड़कर उसके पास पहुंच गया। हाथी को देखकर युवक जान बचाने के लिए भागने लगा, लेकिन हाथी ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया और कुचल डाला। जिसके बाद परिजन आनन-फानन में इरफान को इलाज के लिए कुडू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर कैरो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि पिछले एक सप्ताह से हाथियों का झुंड गोपालगंज जंगल में डेरा डाले हुए है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण प्रशासन से हाथियों को खदेड़ने की मांग कर रहे हैं ताकि आगे किसी बड़ी घटना को टाला जा सके।

किराएदार से मारपीट मामले में स्वास्थ्य मंत्री व उनके पिता बरी

PHOTON NEWS DUMKA : मधुपुर में वर्ष 2015 में जबरन मकान खाली करने व किराएदार से मारपीट के आरोपी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और उनके पिता पूर्व सांसद फुरकान अंसारी को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने गुरुवार को समझौता और सबूत के अभाव में बरी कर दिया है। इस केस में पहले ही पीड़ित पक्ष ने अदालत से समझौता का अनुरोध किया था।

कोर्ट से बाहर निकलते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफाइन अंसारी ● फोटोन न्यूज

बचाव पक्ष के अधिवक्ता राजा खान ने बताया कि दस साल पहले मधुपुर के मकबूल अंसारी ने तत्कालीन विधायक इरफान अंसारी व उनके पिता पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पीसीआर केस दर्ज कराया था। मकबूल जिस मकान में किराएदार था, उसके मालिक ने वह घर विधायक इरफान अंसारी की मां को बेच दिया था। विधायक ने नियमानुसार मकान खाली करने को कहा तो पीड़ित ने झूठा आरोप लगाकर केस कर दिया। कुछ दिन पहले पीड़ित ने अदालत में समझौता करने का अनुरोध किया था। अदालत ने समझौता और सबूत के अभाव में दोनों को बरी कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मैंने किसी से मारपीट नहीं की। झूठा आरोप लगाकर मुझ पर केस कर दिया गया था, लेकिन न्यायालय पर पूर्ण आस्था थी। इसीलिए अदालत ने मुझे और पिता को बरी कर दिया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने चाउमिन फैक्ट्री का लाइसेंस किया निलंबित

PALAMU : डालटनगंज में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता की स्थिति और मिलावट की रोकथाम को लेकर विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान बाईपास रोड पर हाउसिंग कालोनी स्थित रोहन चाउमिन फैक्ट्री, आरएन फूड प्वाइंट एंड रेस्ट हाउस, लकी भोजनालय और राज बिरयानी सहित कई खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। रोहन चाउमिन फैक्ट्री में गंदगी और स्वच्छता की काफी कमी पाई गई। इसके साथ ही, खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन नहीं करने पर उसका लाइसेंस निलंबित कर उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया गया। आरएन फूड प्वाइंट एंड रेस्ट हाउस में साफ-सफाई और रख-रखाव में लापरवाही पर 2000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। यहां से लिए गए पनीर के नमूने को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। वहीं, लकी भोजनालय और राज बिरयानी को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता मानकों और खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बोकारो स्टील प्लांट में गैस रिसाव, बड़ी दुर्घटना टली

BOKARO : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के कोल्ड रोलिंग मिल (सीआरएम-03) स्थित एसिड रीजेनेरेशन प्लांट-3 (एआरपी-3) में गुरुवार की सुबह करीब 11 बजे एक मामूली गैस रिसाव की घटना सामने आई। घटना के तुरंत बाद संयंत्र क्षेत्र में एहतियातन हड़कंप मच गई। हालांकि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, गैस रिसाव ड्रेन पोर्ट की पाइपलाइन में एक छोटे होल के कारण हुआ था। गैस की गंध फैलते ही सभी कर्मचारी संयंत्र से सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। राहत की बात यह रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी मेडिकल डिपार्टमेंट (ईएमडी) की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए संबंधित वाल्व को बंद कर दिया गया। साथ ही, गैस के असर को कम करने के लिए पूरे क्षेत्र में पानी का छिड़काव भी किया गया। बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने जानकारी दी कि रिसाव बेहद मामूली था और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा अभियंत्रण विभाग और ईएमडी की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया है। वर्तमान में संयंत्र की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

प्लांट की फाइल फोटो

जांच परिसर की सफाई से लेकर कैदियों के भोजन तक की हुई पड़ताल

हजारीबाग जेल का उच्चाधिकारियों ने किया निरीक्षण

PHOTON NEWS HAZARIBAG : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणजीत कुमार, उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के नेतृत्व में गुरुवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा, हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उच्चाधिकारियों ने न केवल संपूर्ण कारा परिसर का अवलोकन किया, बल्कि सजायाफ्ता कैदियों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए।

प्रधान सत्र न्यायाधीश ने परिसर में कार्यरत सफाईकर्मियों की संख्या, कार्यावधि एवं उनके पारिश्रमिक भुगतान संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को सफाईकर्मियों का रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण दल ने रसोईघर का भी अवलोकन किया और कैदियों के लिए बनाए जा रहे भोजन -दाल, रोटी, चावल आदि की गुणवत्ता की जांच की। परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। मौके पर रोटी मेकर मशीन क्रियाशील नहीं पाए जाने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने इसे तत्काल ठीक कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के अंत में जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कारा प्रशासन को साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं एवं प्रशिक्षण कार्यों में और अधिक सुधार लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति, जिला योजना पदाधिकारी पंजक कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा व जेल अधीक्षक भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण कर लौटते न्यायाधीश, डीसी व एसपी ● फोटोन न्यूज

अस्पताल वार्ड का भी देखा हाल

कैदियों के इलाज हेतु संचालित अस्पताल वार्ड का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली गई। सिविल सर्जन को एक चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। साथ ही दवा की उपलब्धता, आइसोलेशन वार्ड तथा संचारी रोग से ग्रसित कैदियों को अलग वार्ड में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

प्रिंटिंग प्रेस का अवलोकन

निरीक्षण के दौरान जेल परिसर में संचालित प्रिंटिंग प्रेस का भी अवलोकन किया गया। यहां सजायाफ्ता कैदियों द्वारा सरकारी कार्यालयों के प्रयोग हेतु फाइल फोल्डर एवं अन्य सामग्री का निर्माण किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य कैदियों को कारावास के दौरान प्रशिक्षण देकर पारिश्रमिक अर्जित करने एवं आत्मनिर्भर बनाने पर बल देना है।

जिला स्तरीय खेल प्रतिभा चयन प्रतियोगिता 18-19 को

LATEHAR : निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निदेर्शानुसार 18 व 19 सितंबर को जिला स्तरीय खेल प्रतिभा चयन प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल स्टेडियम में होगा। जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जिलास्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागी द्वितीय चरण में राज्य स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता के पश्चात चयनित प्रतिभागियों को राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एवं जेएसएसपीएस अंतर्गत संचालित विभिन्न खेल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का चयन बैटरी टेस्ट (एसटीसी नॉर्म्स) एवं स्किल टेस्ट के आधार पर होगा। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के सफल खिलाड़ियों को झारखंड खेल प्राधिकरण, पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा निःशुल्क आवासान, भोजन, शिक्षा, खेल उपकरण, खेल सामग्री, बीमा, खेल प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसमें 10 से 14 वर्ष के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

पत्नी की हत्या में दोषी करार पति को सुनाई गई उम्रकैद की सजा

चार साल बाद इंसाफ मिलने पर परिजनों की आंखों से छलके आंसू

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिले के पेशरार थाना क्षेत्र की दिल दहला देने वाली घटना में चार साल बाद फैसला आया है। 15 मार्च 2021 की रात को अपनी ही पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले आरोपित सच्चू महतो को लोहरदगा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-द्वितीय नीरजा आसरी की अदालत ने उम्रकैद और 10,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत का फैसला सुनते ही मृतका के परिजनों की आंखों से आंसू छलक गए। इस मामले में लोक अभियोजक भारत राम ने गवाहों और साक्ष्यों को मजबूती से अदालत में पेश किया।

परिजनों ने बताया कि चार साल पहले घरेलू विवाद के बाद गुस्से में सच्चू महतो ने अपनी पत्नी की निर्ममता से हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शव को घर में बंद कर फरार हो गया था। सुबह जब घर से कोई आवाज नहीं आई तो परिजन पहुंचे। दरवाजा खुलवाने पर बेटी की लाश देखकर पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया था। परिजनों ने पेशरार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। चार वर्ष तक चले मुकदमे में 10 गवाहों के बयान दर्ज हुए।

न्यायालय से फैसला आने के बाद मृतका के परिजनों ने कहा कि बेटी तो अब लौटकर नहीं आएगी, लेकिन अदालत के फैसले से उन्हें राहत मिली है। अदालत का यह फैसला समाज में अपराधियों के लिए चेतावनी है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

BRIEF NEWS

एचईसी कर्मचारियों के प्रमोशन व वेतन भुगतान को लेकर हुई बैठक

RANCHI : एचईसी में कार्यरत 2018 बैच के कर्मचारियों की पदोन्नति और लंबित वेतन भुगतान को लेकर आज बीएमएस कार्यालय, सीडी-241, सेक्टर 3 में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई ई। बैठक में कर्मचारियों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पांच वर्ष पूर्ण होने के बावजूद उन्हें अब तक प्रमोशन नहीं मिला है, जिससे कार्य के प्रति उत्साह में कमी आ रही है। कर्मचारियों ने बताया कि 2018 बैच की नियुक्ति तीन चरणों में हुई थी, लेकिन सभी को समान रूप से पदोन्नति से वंचित रखा गया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एचईसी मजदूर संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद ने कहा, हमने पूर्व में भी प्रबंधन से इस मुद्दे पर वार्ता की है और कई बैठकें हो चुकी हैं।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर किसान के दो बैलों की मौत

BERO : गुरुवार को नेहालु पंचायत के बरटोली गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान गुमदा उरांव का एक जोड़ा बैल मौत का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार, किसान ने बैलों को चरने के लिए खेत में रस्सी से बांध रखा था। इसी दौरान तेज बारिश के बीच बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। इस घटना में किसान गुमदा उरांव को भी हल्का झटका लगा, हालांकि वे बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलने पर पंचायत मुखिया वीरेंद्र भगत मौके पर पहुंचे और पीड़ित किसान को ढांढस बंधाया। उन्होंने सरकार से उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बेड़ो प्रखंड कार्यालय में किया प्रदर्शन

BERO : गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी बेड़ो प्रखंड और नरकोपी मंडल के संयुक्त आह्वान पर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने किया, जबकि संचालन महामंत्री सह मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु ने किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने बैनर पर लिखे नारे आदिवासियों को न्याय दो, हेमंत सरकार जवाब दो नारे लगाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम प्रभारी शशिभूषण भगत और विशिष्ट अतिथि शशिकांत सिंह मौजूद रहे। सभा में बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह, नरकोपी मंडल अध्यक्ष तेजु दास, प्रदेश नेता रंजन अधिकारी, उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता, मंत्री गणेश महथा एवं आदित्य ताम्रकार, एसटी मोर्चा अध्यक्ष बिरसा उरांव, सुखदेव कच्छप, राजेश साहु, युवा अध्यक्ष कमलेश लाल, सुमंती देवी, बिगा, शनी खेश, आशिष, संदीप, खुखरा मुखिया जतरू उरांव, महादेव कूजूर, प्रकाश, शक्ति राम, सुके, बुदू समेत भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

राजधानी में तीन साल बाद भी चालू नहीं हो सका पंचकर्म चिकित्सा केंद्र

PHOTON NEWS RANCHI : लोगों की सुविधाओं और चिकित्सा क्षेत्र को व्यापकता देने के उद्देश्य से हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के सभी 24 जिलों में पंचकर्म चिकित्सा केंद्र खोलने की घोषणा साल 2022 में ही की थी। आयुष मंत्रालय की ओर से इस दिशा में पहल भी हुई। इसके बाद सभी जिलों में पंचकर्म चिकित्सा केंद्र खोलने को भवन बनाने के लिए हर केंद्र के लिए 55-55 लाख रुपये भी आवंटित किए गए हैं। झारखंड के कुछ जिलों में पंचकर्म चिकित्सा केंद्र शुरू भी हुआ है, लेकिन राजधानी रांची में यह केंद्र अभी तक शुरू नहीं हो सका है। रांची के जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. साकेत कुमार का कहना है कि रांची में मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के बगल में पंचकर्म भवन बनाने के लिए जगह मिली है। उसमें भवन निर्माण का कार्य भी लगभग पूरा हो गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि दो-तीन महीने में पंचकर्म चिकित्सा भवन का काम पूरा होने और बाउंड्री वॉल बनने के बाद ओपीडी शुरू हो जाएगा।

- हेमंत सरकार ने राज्य के सभी जिलों में 2022 में की थी केंद्र खोलने की घोषणा
- आयुष मंत्रालय की पहल पर हर जिले के लिए आवंटित हुए हैं 50 से 55 लाख रुपये
- मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के बगल में भवन बनाने के लिए मिली है जगह
- लगभग पूरा हो गया है भवन निर्माण का काम, जल्द बन जाएगी बाउंड्री वॉल
- आयुष चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा- दो-तीन महीने में चालू हो जाएगा केंद्र

आयुष निदेशक को भेजा गया है पत्र

सवाल उठता है कि दो-तीन महीने में पंचकर्म चिकित्सा के लिए ओपीडी कैसे शुरू होगा, जब आयुष निदेशालय के पास पंचकर्म विशेषज्ञ डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ ही नहीं है। डॉक्टर साकेत कुमार ने बताया कि मानव संसाधन एवं अन्य जरूरतों को लेकर, आयुष निदेशक को पत्र भेजा गया है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द सभी जरूरतों को पूरी कर लिया जाएगा, ताकि राजधानी वासियों को भी पंचकर्म चिकित्सा पद्धति से इलाज की वैकल्पिक सुविधा मिल सके।

पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की खासियत

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. साकेत कुमार का कहना है कि भारत में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार, हमारे शरीर में वात, पित्त और कफ तीन दोष होते हैं। जब ये असंतुलित हो जाते हैं तो शरीर में रोग उत्पन्न होते हैं। पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की इस प्रक्रिया से इन सभी दोषों को संतुलित किया जाता है और शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकाले जाते हैं। उन्होंने बताया कि पंचकर्म की मुख्य 5 विधियों में वमन यानी उल्टी कराना, विरेचन, बस्ती (औषधीय एनीमा), नस्य (नाक से दवा देना) और रक्तमोक्षण शामिल है।

इन रोगों में खास तौर पर कारगर

पंचकर्म को डिटॉक्स थैरेपी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि गैस, कब्ज, अम्लपित्त, भूख न लगना, गठिया, कमर दर्द, सर्वाइकल, स्लिप डिस्क, त्वचा रोग, मानसिक रोग और श्वसन रोग में यह विशेष कारगर होता है। इसके साथ-साथ बीमारी से बचाव और सौंदर्य में भी इन दिनों पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की ख्याति बढ़ी है।

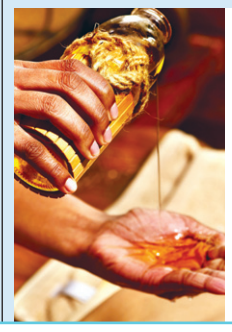

'पंचकर्म' आयुर्वेद में एक इलाज पद्धति है। उपचार के पांच प्रकार के कर्म की वजह से इसे पंचकर्म कहते हैं। इस पद्धति से मरीजों की सिर्फ बीमारी का ही इलाज ही नहीं होता है, बल्कि शरीर की गंदगियों को बाहर निकालकर शरीर को अंदर से शुद्ध किया जाता है।

– डॉ. साकेत कुमार, आयुष चिकित्सा पदाधिकारी

सूर्या हांसदा की मौत और रिम्स-2 के जमीन अधिग्रहण का भाजपा ने किया विरोध

प्रखंड मुख्यालयों से लेकर जिला केंद्रों तक पार्टी कार्यकर्ताओं ने निकाला मार्च

PHOTON NEWS RANCHI : आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की कथित मुठभेड़ में मौत और रिम्स-2 के लिए आदिवासी जमीन अधिग्रहण के खिलाफ झारखंड भाजपा ने गुरुवार को राज्यव्यापी आक्रोश प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रखंड मुख्यालयों से लेकर जिला केंद्रों तक पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला। राजधानी रांची में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया। उन्होंने आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की मौत की स्वतंत्र सीबीआई जांच की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी समाज की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है और विकास परियोजनाओं के नाम पर उनकी पारंपरिक रायती जमीनें छीनी जा रही हैं। बाबूलाल ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि हेमंत सरकार द्वारा आदिवासी नेता सूर्या हांसदा की हत्या और रिम्स-2 निर्माण के नाम पर आदिवासियों की जमीन लूटने के खिलाफ आज रांची में हजारों कार्यकताओं के साथ आक्रोश-प्रदर्शन में शामिल हुआ। भाजपा आदिवासियों के हक और सम्मान की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ेगी।

हांसदा की मौत की सीबीआई जांच की बाबूलाल मरांडी ने उठाई आवाज

सूर्या हांसदा की हत्या की हो जांच : रघुवर

जब पूरा झारखंड दिशोम गुरु आदरणीय शिबू सोरेन जी की मृत्यु के कारण शोकाकुल था, उनका श्राद्धकर्म चल रहा था। उस समय झारखंड की सिंडिकेट सरकार ने एक समाजसेवी और भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रहे आदिवासी युवक की फर्जी एनकाउंटर में हत्या कर दी। सबसे बड़ी बात है कि पुलिस के बयान में कहा गया कि 40-50 लोगों के दस्ते ने हमला कर दिया था। मेरा सवाल है कि केवल सूर्या हांसदा जी को गोली लगी। दूसरा सवाल ये है कि आज तक किसी और की शिनाख्त नहीं कर पाई है। इससे ज्यादा इसके फर्जी होने का क्या प्रमाण होगा। सूर्या हांसदा की माता और पत्नी ने इसकी सीबीआई जांच की मांग की है। मैं भी इसकी सीबीआई जांच की मांग करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में झारखंड में चार मेडिकल कॉलेज, कैंसर हॉस्पिटल और एम्स जैसे अस्पताल का निर्माण हुआ, लेकिन कहीं इसका विरोध नहीं हुआ। क्योंकि हमने कहीं पर भी खेतीहर जमीन नहीं ली।

अबुआ सरकार में हो रही आदिवासियों की हत्या

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सूर्या हांसदा एक राजनीतिक सामाजिक कार्यकर्ता थे। चार बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़े। उनके ऊपर दर्ज मुकदमों से वे बरी होते जा रहे थे। 300 से अधिक गरीब बेसहारा बच्चों को पढ़ाते थे, उनके आवास भोजन की व्यवस्था करते थे। सूर्या हांसदा खान खनिज की बड़े पैमाने पर हो रही लूट का विरोध करने के कारण माफिया बिचौलियों के आंख की किरकिरी बन गए थे। राज्य सरकार बिचौलियों, दलालों, खनिज माफियाओं की संरक्षक है और उनके इशारे पर सूर्या हांसदा की नृशंस हत्या हुई है।

राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की जासूसी करने में जुटा खुफिया तंत्र : बाबूलाल

RANCHI : विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के खुफिया तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि चिंता की बात यह है कि लगातार दूसरे राज्यों की पुलिस झारखंड से आतंकी पकड़ रही है, जबकि राज्य की अपनी पुलिस निष्क्रिय बनी हुई है। खुफिया तंत्र का काम खतरों को भांपना और रोकथाम करना होता है, लेकिन यहां यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की जासूसी और गैरकानूनी गतिविधियों को संरक्षण देने में उलझा हुआ है। भाजपा नेता ने सीएम से कहा कि खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। सोशल मीडिया पोस्ट में बाबूलाल ने लिखा है कि रांची के इस्लाम नगर स्थित एक लॉज से दिल्ली पुलिस और एटीएस ने एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से खतरनाक केमिकल, हथियार और कई आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद हुई हैं। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि झारखंड में आतंकी नेटवर्क सक्रिय हो चुका है और यहां की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक हो रही है।

आरआर स्पोर्टिंग क्लब इस वर्ष रातू रोड में बना रहा रोम की वेटिकन सिटी का पंडाल

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर शहर में तैयारियां जोरो पर है। इसे लेकर पूजा समितियां पूजा पंडाल का निर्माण तेजी से कर रही है। इस बार शहर की हर पूजा पंडाल खास और आकर्षक है। इसी क्रम में रातू रोड में आरआर स्पोर्टिंग क्लब इस वर्ष भव्य और आकर्षक पंडाल का निर्माण कर रहा है। इटली के रोम शहर में स्थित वेटिकन सिटी का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। चार माह से पंडाल निर्माण कार्य में 70 से ज्यादा कारीगर दिन-रात लगे हुए हैं। क्लब के संरक्षक विक्की यादव ने गुरुवार को बताया कि यह पंडाल वेटिकन सिटी की तरह दिखेगा।

पंडाल का निर्माण कोलकाता से आए कारीगर कर रहे हैं। मां की प्रतिमा भी बंगाल से ही मंगाई जा रही है। सिर्फ पंडाल निर्माण में लगभग 68 लाख रुपये खर्च का अनुमान है। पंडाल पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होगा। लाइटिंग भी बंगाल से मंगाई जा रही है। पूजा में सुरक्षा के विशेष इंतजाम होंगे। पूरा पंडाल सीसीटीवी कैमरा के निगरानी में रहेगा। पंडाल और आसपास 40 निजी सुरक्षा गार्ड, 50 वॉलेंटियर और प्रशासन पुलिस सुरक्षा में मुस्तैद दिखेंगे।

उन्होंने बताया कि पंडाल निर्माण में 68 लाख रुपये, मूर्ति में साढ़े चार लाख रुपये और लाइटिंग आठ लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि मां की प्रतिमा बंगाल से मंगाई जा रही है। प्रतिमा की लंबाई सात फीट और चौड़ाई 12 फीट होगी। पंडाल का उद्घाटन पंचमी के दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। पंडाल में विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। साथ ही भोग-भंडारे का वितरण होगा।

उन्होंने बताया कि आरआर स्पोर्टिंग क्लब के संस्थापक दिवंगत कृष्णा यादव हैं। अध्यक्ष राहुल यादव, कोषाध्यक्ष रोहित यादव सहित अभिमन्यु सिंह यादव, अजीत कुमार, धर्मेंद्र कुमार, बबलू सिंह, सुभाष राय, मनोज अग्रवाल, साजन सेठ, अभिषेक तिवारी सहित अनेक सदस्य पूजा आयोजन में जोर-शोर से लगे हैं।

झारखंड में बाल श्रमिकों की संख्या में 78 प्रतिशत की गिरावट दर्ज : अभिनाश कृष्ण

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसी क्रम में समाहरणालय में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बाल श्रम, बाल तस्करी, पुनर्वास, निगरानी तंत्र और कानूनी उपायों पर व्यापक चर्चा हुई। उप श्रमायुक्त अभिनाश कृष्ण ने बताया कि झारखंड ने बाल श्रमिकों की संख्या में 78% की गिरावट दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि आज बाल श्रमिक पारंपरिक स्थानों से हटकर सामाजिक आयोजनों में दिखाई दे रहे हैं, जो आधुनिक जीवनशैली से प्रेरित हैं। ऐसे में सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता जरूरी है। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने कहा कि बाल श्रम समाज की गंभीर विडंबना है और इससे निपटने के लिए केवल कानून नहीं, समाज की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा ही बच्चों का भविष्य है और बाल श्रम को समाप्त करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारी व अन्य ● फोटोन न्यूज

5 वर्ष की कार्य योजना बना रहा झारखंड

बाल कल्याण संघ के सचिव संजय मिश्रा ने बताया कि झारखंड देश का पहला राज्य है जो बाल श्रम उन्मूलन हेतु 5 वर्षीय कार्य योजना बना रहा है। उन्होंने पुनर्वास और कौशल विकास को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। वहीं सिमडेगा डीएसपी रणवीर सिंह और गुमला के श्रम अधीक्षक ने गरीबी और सामाजिक कारणों को बाल श्रम की जड़ बताया। उन्होंने कहा कि पुनर्वास में परिवारों को भी शामिल करना आवश्यक है ताकि वे दोबारा बाल श्रम के चक्र में न फंसे।

राजधानी में दुर्गा पूजा की तैयारियों का डीसी-एसएसपी ने लिया जायजा

सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने का दिया आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, डीआईजी-सह-एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, एसडीओ और एडीएम लॉ एंड ऑर्डर सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने शहर के विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा की गहन समीक्षा की। एसएसपी चंदन सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले पंडालों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही, सीसीटीवी कैमरे और पेट्रोलिंग टीमों के जरिए भीड़ पर लगातार नजर रखी जाएगी। निरीक्षण के दौरान रांची के प्रमुख पूजा पंडालों जैसे रातु रोड, गोशाला रोड, बकरी बाजार, झंडा चौक डोरंडा, काली बाड़ी, जिला स्कूल, व अन्य स्थानों का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने पूजा समितियों के सदस्यों को दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए सुरक्षा, सुविधा और व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

- पूजा समितियों को निरंतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश
- आपात स्थिति में त्वरित सहायता के लिए संपर्क में रहें
- श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को दें प्राथमिकता

पंडालों का निरीक्षण करते उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व अन्य ● फोटोन न्यूज

श्रद्धालुओं से की गई अपील

डीसी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। उपायुक्त ने कहा कि इस बार दुर्गा पूजा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और भव्य रूप से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

पूजा समितियों को हर संभव मदद

पंडालों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए भी विशेष उपाय किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। जिला प्रशासन ने कहा है कि दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी और पूजा समितियों को हर संभव सहायता जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने बिजली आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था का भी आकलन किया। बिजली विभाग को निर्देश दिया गया कि बिना अनुमति तारों को जोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

चिंताजनक जैप डीआईजी की ओर से उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट में हुआ खुलासा

झारखंड में बिना हथियार के ड्यूटी कर रहे सैकड़ों जवान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और एसआईआरबी के जवानों की तैनाती को लेकर एक गंभीर सच्चाई सामने आई है। जैप डीआईजी की ओर से उपलब्ध कराई गई जवानों की रिपोर्ट में यह पता चला है कि कई बटालियनों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी बिना हथियारों के ड्यूटी कर रहे हैं। यह स्थिति गंभीर है, क्योंकि बिना हथियार के ड्यूटी करना जवानों की सुरक्षा और काम दोनों के लिए खतरा बन सकता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कई आईआरबी बटालियनों में अनआर्म्ड (बिना हथियार वाले) कर्मियों की संख्या काफी ज्यादा है, जो चिंता का विषय है। रिपोर्ट मिलने के बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इस स्थिति पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने जैप डीआईजी को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी आईआरबी में 15% से अधिक बल बिना हथियारों के न हो। इस आदेश का अनुपालन एक सप्ताह के भीतर पूरा करने के लिए कहा गया है।

- डीजीपी अनुराग गुप्ता ने इस स्थिति पर तुरंत लिया संज्ञान, समस्या दूर करने का निर्देश
- किसी भी आईआरबी में 15 प्रतिशत से अधिक जवान न हों बिना हथियारों के
- आदेश का अनुपालन एक सप्ताह के भीतर पूरा करने के लिए दिया आदेश

आईआरबी से जुड़ी फैक्टफाइल

आईआरबी-09	कुल 529 आरक्षियों में से 202 आरक्षी बिना हथियारों के हैं।
आईआरबी-10	कुल 550 आरक्षियों में से 391 आरक्षी बिना हथियारों के हैं।
आईआरबी-05	कुल 587 आरक्षियों में से 111 आरक्षी बिना हथियारों के हैं।
आईआरबी-08	कुल 510 आरक्षियों में से 86 आरक्षी बिना हथियारों के हैं।

आदेश का सख्ती से पालन करें कमांडेंट : इसके साथ ही झारखंड के सभी आईआरबी कमांडेंट (समादेष्टा) को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इन आदेशों का सख्ती से पालन करें। साथ ही डीजीपी ने कहा कि जैप डीआईजी की जिम्मेदारी होगी कि वे एक सप्ताह बाद उच्चाधिकारियों को सूचित करें कि सभी बटालियनों में इन निदेशों का पालन किया गया है या नहीं।

14 को होगा जितिया व्रत, संतान की दीर्घायु के लिए माताएं करेंगी निर्जला उपवास

PHOTON NEWS RANCHI : आश्विन कृष्ण पक्ष की अष्टमी 14 सितंबर को जितिया व्रत मनाया जाएगा। आचार्य मनोज पांडेय ने गुरुवार को बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि 14 सितंबर को सुबह 08.41 बजे से आरंभ होगी, जो 15 सितंबर को सुबह 06.27 तक रहेगी। इसलिए पारण सुबह 6.27 बजे के बाद होगा। 13 सितंबर नहाय-खाय से शुरू होकर 15 सितंबर पारण कर व्रत का समापन होगा। उन्होंने बताया कि जीवित्पुत्रिका व्रत में अष्टमी मध्याह व्यापिनी होनी चाहिए, जो 14 सितंबर को है। आचार्य ने बताया कि जितिया व्रत एक प्रदोष कालिक चंद्र व्यापनी व्रत है, जिसके चलते इसे सूर्योदय

काल से अधिक प्रदोष काल को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाता है। अगर प्रदोष काल में सप्तमी युक्त अष्टमी होती तो इसे करना सही नहीं होता है। हर त्योहार पर्व सूर्योदय से नहीं लिया जाता है, क्योंकि कुछ व्रत चंद्र व्यापनी होते हैं, जिसमे चंद्रमा की गति देखी जाती है। इनमें से कुछ व्रत जैसे पूर्णिमा अमावस्या, गणेश चौथ, करवा चौथ सहित अन्य शामिल हैं। इसी प्रकार यह व्रत भी प्रदोष कालिक है जिसका अर्थ है की जब प्रदोष काल में अष्टमी हो तब किया जाना चाहिए। इस बार पूरे दिन अष्टमी रहने के कारण और प्रदोष काल में पूर्णतः शुद्ध रूपेण अष्टमी होने के कारण इसे पहले दिन ही किया जाना चाहिए। व्रत तीन दिनों का होता है।

समाचार सार

मेन रोड के गड्ढों को भर रहे झामुमो नेता

GHATSILA : शहर की मुख्य सड़क जर्जर होने से लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। दाहीगोड़ा मेन रोड पर भी जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं।

इससे लोगों के आवागमन में दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शिलान्यास के बावजूद पूरे मानसून में लोग परेशान रहे। संवेदक ने बारिश का बहना बनाकर कार्य लटकाकर रखा था। ऐसे में दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए झामुमो कार्यकताओं ने कंक्रीट से सड़क पर बने गड्ढे को भरने का कार्य शुरू किया है। झामुमो नेता सोमेश चंद्र सोरेन की पहल पर यह कार्य किया जा रहा है। इस पहल में नगर अध्यक्ष विकास मजूमदार, मोहम्मद शाहिद, काजल डॉन, रिंकू सिंह, प्रकाश निषाद, रहमत अली, गुड्डू सिद्दिकी, सोमेन मिश्रा, सुशील मार्डी समेत कई कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

मुसाबनी के ग्राम प्रधान सोमाय टुडू का निधन

GHATSILA : मुसाबनी प्रखंड के ग्राम प्रधान व झामुमो के वरिष्ठ नेता

सोमाय टुडू (48) का गुरुवार को निधन हो गया। हालांकि उन्हें इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया था, लेकिन चिकित्सक ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के पहले ही मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार महंती अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। मृतक परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक के साथ पूर्व विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, आदिम उत्थान मंच के जिला अध्यक्ष लोबिन सबर, मुसाबनी प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन, सचिव माहेश्वर मुर्मू, कोषाध्यक्ष पालू माझी, बाबूलाल मुर्मू, हरीश भकत, सुनील किस्कू, गौरांगो महाली, सुशील मार्डी, सुखलाल हांसदा, अम्पा हेंब्रम, दुर्गा मुर्मू सहित अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए 18 लोगों ने की दावेदारी

CHAIBASA : कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चयन प्रक्रिया को लेकर अंतिम दिन परिसदन में गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी द्वारा मनोनीत पर्यवेक्षक मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री सह पूर्व सांसद सज्जन सिंह वर्मा व प्रदेश कांग्रेस द्वारा मनोनीत पर्यवेक्षक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू, सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह ने दावेदारों से वन-टू-वन बात की। अब तक 18 दावेदार सामने आए हैं, जिनमें वर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, पूर्व जिलाध्यक्ष सन्नी सिंकू, पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई, आदर्श अरुण बलमुचू, जिला उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला, महासचिव अशोक बारिक, अविनाश कोड़ाह, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, सचिव सुरेश सवैयां, जिला उपाध्यक्ष पूर्ण चंद्र कायम, पूर्व एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आदित्य विक्रम तिरिया, युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष शिवकर बोयपाई, आरजीपीआरएस जिलाध्यक्ष रितेश तामसोय, जिला समन्वयक विधि प्रकोष्ठ मिली बिरुवा, पूर्व प्रत्याशी विजय सिंह सामड, अशोक सुंडी, पूर्व जिला संगठन सचिव राम सिंह सवैयां व पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सनातन बिरुवा शामिल हैं।

एनएमएल में हुई श्रेष्ठ वेल्डर प्रतियोगिता

JAMSHEDPUR : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेल्डिंग (आईआईडब्ल्यू), जमशेदपुर शाखा ने सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल) के सहयोग से 11 सितंबर को सीएसआईआर-इंटीग्रेटेड स्किल इनिशिएटिव के अंतर्गत ब्रांच स्तर श्रेष्ठ वेल्डर प्रतियोगिता कराई। यह आयोजन राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता-श्रेष्ठ से श्रेष्ठ वेल्डर-2025 का हिस्सा था। मुख्य अतिथि वीपी ठाकुर (टाटा स्टील) ने अवसंरचना की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में वेल्डिंग की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. केएल साहू, डॉ. आनंद प्रभाकरन और यूबी राव ने नवाचार, ऊर्जा दक्षता और कौशल विकास की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. अतनु दास, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनएमएल ने संयोजक एवं मुख्य आयोजक के रूप में दायित्व निभाया। आयोजन में वाई. उषा, रोशन कुमार और इंजीनियरिंग डिवीजन की टीम ने सहयोग दिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. मयूरी मंडल (एनआईटी जमशेदपुर) और आसिफ इकबाल (टीआरएफ) द्वारा किया गया। विजेता प्रतिभागी अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के दौरान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों जैसे रोबोटिक वेल्डिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी वेल्डिंग सिस्टम का प्रत्यक्ष अनुभव भी मिला। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और भविष्य की अवसंरचना आवश्यकताओं के लिए सक्षम एवं दक्ष कार्यबल तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बर्माइंस में सड़क हादसा, युवक की मौत पर बस्तीवासियों ने किया सड़क जाम

PHOTON NEWS JSR : बर्माइंस स्थित मुखी बस्ती में गुरुवार तड़के हुए सड़क हादसे ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। इस दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित बस्तीवासियों ने सड़क जाम कर दिया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

बताया जाता है कि गुरुवार को सुबह लगभग 3.30 बजे नामदा बस्ती निवासी शरणजीत सिंह अपने परिजन को स्टेशन लाने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान उसकी बाइक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि शरणजीत को लगभग 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में शरणजीत की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया। आक्रोशित बस्तीवासियों ने बर्माइंस में ट्यूब कंपनी गेट के पास सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और दोषी ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि काफी देर तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही और क्षेत्र में तनाव का माहौल रहा।

सड़क जाम करते लोग व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो • फोटोन न्यूज

सरायकेला के कपाली से रेस्क्यू किए गए चार बच्चे, अभिभावकों से मिले

SERAIKELA : बाल श्रम रोकथाम के लिए गठित टास्क फोर्स ने गुरुवार को कपाली क्षेत्र में कबाड़ गोदामों पर छापेमारी अभियान चलाया। सूचना मिली थी कि यहां बच्चों से काम कराया जा रहा है। डालसा सचिव के निर्देश पर बाल कल्याण समिति, श्रम विभाग और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। अभियान में चार बच्चों को रेस्क्यू किया गया। सभी बच्चे 14 वर्ष से ऊपर थे, जिन्हें चेतावनी देकर उनके अभिभावकों को सुपुर्द कर दिया गया। टास्क फोर्स के सदस्य सैयद आयाज हैदर ने गोदाम मालिकों को सख्त चेतावनी दी कि किसी भी नाबालिग (18 वर्ष से कम उम्र) से काम न कराएं। साथ ही गोदाम के बाहर बैनर लगाने का निर्देश दिया गया कि यहां बाल श्रमिक से काम नहीं कराया जाएगा। रेस्क्यू की गई जगहों में कपाली काड़ीपत्थर, डोबो पुलिया, अली मस्जिद क्षेत्र, बंधुगोड़ा और ताजनगर शामिल हैं। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रियंका कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन की कविता मिश्रा, युवा संस्था के मुकेश पांडेय, बाल कल्याण समिति की बिना रानी महतो व पद्मा गोराई, जिला बाल संरक्षण के माथुर मंडल, समीर महतो, चितरंजन कुमार और बिट्टू प्रजापती मौजूद थे।

मुक्त कराए गए बच्चों के साथ पुलिस व प्रशासनिक पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

गुड़ाबांदा के कारलाबेड़ा गांव पहुंचे डीसी, ग्रामीणों को आजीविका योजनाओं से जोड़ने पर दिया बल

सड़क, चेकडैम निर्माण, जल मीनार आदि को लेकर किया आश्वस्त

PHOTON NEWS JSR : उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम जिला के गुड़ाबांदा प्रखंड के फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत अंतर्गत पहाड़ पर बसे कारलाबेड़ा गांव पहुंचे। लगभग 24 परिवारों वाला यह गांव लंबे समय से सड़क से वंचित है। ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष सड़क निर्माण की मांग रखी, जिस पर उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि गांव को न केवल सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा, बल्कि अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे भी चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएंगे। उपायुक्त ने मौके पर ही पदाधिकारियों को गांव में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल मीनार निर्माण तथा सिंचाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए चेकडैम निर्माण आदि को लेकर निर्देश दिया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से न केवल पेयजल की समस्या का समाधान होगा, बल्कि खेती योग्य भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन में भी वृद्धि होगी। गांव में ग्रामीण अभी पारंपरिक खेती करते हैं। उपायुक्त ने उन्हें नकदी फसल जैसे सब्जी उत्पादन, फल बागवानी, औषधीय पौधे आदि की ओर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नकदी फसल से ग्रामीणों को बेहतर आमदनी होगी, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही पशुपालन, बकरी पालन, कुक्कुट पालन जैसी योजनाओं से जुड़ने पर उन्हें नियमित आय का अतिरिक्त स्रोत भी प्राप्त होगा। सड़क निर्माण से गांव तक एंबुलेंस, शैक्षणिक सुविधाएं, बाजार से जुड़ाव और आपातकालीन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। जल मीनार से सालभर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी। चेकडैम बनने से वर्षा जल का संचयन होगा, भूमिगत जलस्तर बढ़ेगा और सिंचाई सुविधाएं बेहतर होंगी। नकदी फसल व पशुपालन से ग्रामीणों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे और पलायन की समस्या कम होगी। शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होने से जीवन स्तर में समग्र सुधार होगा।

गांव की ओर जाते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी

2003 की मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की सूची उपलब्ध

SERAIKELA : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा साल 2003 में हुए विशेष पुनरीक्षण के बाद तैयार की गई मतदाता सूची की कॉपी सभी के लिए उपलब्ध करा दी गई है। यह सूची सीईओ, झारखंड के वेबसाइट के दिए गए लिंक https://ceojh.jharkhand.gov.in/mrollpdf1/aceng.aspx पर जन साधारण के लिए ऑनलाइन उपलब्ध है। राज्य के प्रत्येक मतदाता से अनुरोध है कि वह अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जांच लें। वैसे मतदाता जो रोजगार अथवा अन्य प्रयोजन से राज्य के बाहर निवास कर रहे हैं तथा वहां की मतदाता सूची में जुड़ चुके हैं, वे संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध मतदाता सूची पर भी अपना नाम देख सकते हैं। इसके साथ ही राज्य में 18 सितंबर 2025 से 2003 के मतदाता सूची का प्रिंट कॉपी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) के कार्यालयों में भी अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग कृत संकल्पित है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में जुड़ने से न छूटे।

आदिवासी 'हो' समाज महासभा ने निकाली भाषा अधिकार रैली

रैली में शामिल समाज के लोग • फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : आदिवासी 'हो' समाज महासभा ने गुरुवार को भाषा सम्मान अधिकार रैली निकाली। इसके अंत में डीआरएम को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें चक्रधरपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर हो वारांगक्षिति लिपि में बोर्ड लगाने और ट्रेनों की उद्घोषणा करने की मांग की गई। इस रैली में मनोहरपुर, सोनुआ, गोइलकेरा, चक्रधरपुर और चाईबासा समेत आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों लोग शामिल हुए। इससे पहले महासभा ने घाघरा स्टेशन में पूर्व में हो भाषा में लिखे स्टेशन के बोर्ड से नाम हटाए जाने का विरोध किया और डीआरएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि हो भाषा को रेलवे स्टेशनों पर उचित सम्मान और प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। डीआरएम ने महासभा के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और एक माह के भीतर कार्रवाई की जाएगी। आदिवासी हो समाज महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे।

शेषनाथ सिंह 'शरद' को मिलेगा श्रेष्ठ हिंदी शिक्षक का सम्मान

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन प्रत्येक वर्ष राजभाषा हिंदी दिवस पर 13 सितंबर को एक हिंदी शिक्षक को सम्मानित करता है। इस वर्ष वरिष्ठ हिंदी शिक्षक व प्रसिद्ध कवि शेषनाथ सिंह 'शरद' का चयन किया गया है। मचकिया, जिला शाहाबाद, बिहार में जन्मे शेषनाथ सिंह ने स्नातक के बाद अपने गांव में ही एक विद्यालय की स्थापना की और उसे हाई स्कूल स्तर तक पहुंचाया। कुछ समय उपरांत विद्यालय स्थानीय ग्रामीणों की निगरानी में छोड़ फकीरी का जीवन अपनाया एवं मंचों से देशभक्ति की ओजस्वी वीर रस की कविताओं का वाचन करते रहे। इमरजेंसी के विरोध में होने वाली अनेक सभाओं में मुख्य वक्ता के पूर्व इनकी कविताओं से जनता में जोश भरा जाता था। 1981 में जमशेदपुर आगमन हुआ। ततपश्चात उनकी नियुक्ति साकची हाई स्कूल में हिंदी शिक्षक के रूप में हुई, जहां उन्होंने 2011 तक हिंदी की शिक्षा दी। सेवानिवृत्ति के पश्चात वर्कर्स कॉलेज में अतिथि शिक्षक के रूप में कोरोना काल तक पढ़ाते रहे। इन्हें 'शरद' उपनाम वरिष्ठ कवि श्याम नारायण पांडेय ने दिया।

मंचों-कवि सम्मेलनों में उन्हें महादेवी वर्मा, जानकी वल्लभ शास्त्री, गोपाल दास नीरज, बुद्धिनाथ मिश्र जैसे नामचीन कवियों का संग एवं आशीर्वाद मिला।

शेषनाथ सिंह 'शरद'

आलोक दुबे बने बिष्टुपुर के थाना प्रभारी कदमा की कमान संभालेंगे प्रवेश चंद्र सिन्हा

जिले की पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एसएसपी ने किए ट्रांसफर

PHOTON NEWS JSR: पूर्वी सिंहभूम जिले में बेहतर प्रशासनिक नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडेय ने बुधवार देर रात व्यापक स्तर पर तबादला आदेश जारी किया। इस फेरबदल में जिले के कई थानेदारों और पदाधिकारियों को नए पदस्थापन स्थल पर भेजा गया है। आदेश के साथ ही सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से योगदान करने का निर्देश दिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक बिष्टुपुर थाना प्रभारी उमेश कुमार ठाकुर को अंचल निरीक्षक मुसाबनी बनाया गया है। सोनारी थाना प्रभारी सरयू आनंद और गोलमुरी थाना प्रभारी राजन कुमार को साइबर अपराध थाना, जमशेदपुर भेजा गया है। वहीं कदमा थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे को बिष्टुपुर थाना का नया प्रभार सौंपा गया है और साइबर थाने में तैनात प्रवेश चंद्र सिन्हा को कदमा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। मानगो के यातायात थाना प्रभारी बंधन भगत को यहां से हटा कर साइबर थाना भेज दिया गया है। जुगसलाई के थाना प्रभारी मधुसूदन डे को यहां से हटा कर सोनारी थाना प्रभारी बनाया गया है। साइबर अपराध थाना में तैनात संजय सुमन को गोलमुरी थाना की कमान दे दी गई है। अब वह गोलमुरी थाना प्रभारी होंगे। पुलिस केंद्र गोलमुरी में पदस्थापित पवन कुमार को धालभूमगढ़ थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि कदमा थाना के अंकु कुमार को गालुडीह थाना प्रभारी बनायार गया है। मानगो थाना प्रभारी अभिषेक कुमार को बरसोल थाना का दायित्व सौंपा गया है। बिष्टुपुर थाना के कुमार सुमित यादव को गुड़ाबांदा थाना प्रभारी बनाया गया है। एमजीएम थाना के पंचम तिग्गा को डुमरिया थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। हरिऔध करमाली को मानगो ट्रैफिक थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि अंचल निरीक्षक मुसाबनी संजय जनक मूर्ति को जुगसलाई ट्रैफिक थाना भेजा गया है। डुमरिया थाना प्रभारी सुगना मुंडा को एमजीएम थाना और गुड़ाबांदा थाना प्रभारी राजीव कुमार-2 को पुलिस केंद्र गोलमुरी स्थानांतरित किया गया है। धालभूमगढ़ थाना प्रभारी मो. अमीर हमजा को कदमा थाना और गालूडीह थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश को बिष्टुपुर थाना भेजा गया है। बरसोल थाना प्रभारी चंदन कुमार को मानगो थाना में पदस्थापित किया गया है। वहीं जुगसलाई थाना की रूपा पाल को स्थानांतरित कर साकची महिला थाना का प्रभारी बनाया गया है। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे बिना देर किए अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान दें और इसकी रिपोर्ट अविलंब प्रस्तुत करें।

एसएसपी पीयूष पांडेय

राजनीति रिम्स-2 के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ भी उठाई गई आवाज, पटमदा व बोड़ाम समेत सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर हुआ प्रोटेस्ट

भाजपाइयों ने उठाई सूर्या हांसदा एनकाउंटर में सीबीआई जांच की मांग

PHOTON NEWS JSR : गोड्डा में भाजपा नेता सूर्या हांसदा के एनकाउंटर और रांची के नगड़ी में रिम्स टू के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले के विरोध में गुरुवार को जमशेदपुर महानगर, भाजपा ने आक्रोश प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल भी शामिल हुए। प्रदर्शन में भाजपाइयों का हुजूम उमड़ पड़ा। प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। उसे आदिवासी विरोधी बताया गया। सांसद ने मांग की कि सूर्या हांसदा एनकाउंटर केस की सीबीआई जांच होनी चाहिए।

इसके साथ ही रिम्स-2 के लिए नगड़ी में भूमि अधिग्रहण का भी विरोध किया गया। कहा गया कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण नहीं होना चाहिए। इन मांगों को लेकर डीसी ऑफिस में राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।

भाजपा कार्यकताओं ने उपायुक्त कार्यालय, अंचल कार्यालय और प्रखंड कार्यालय के समक्ष जुलूस निकालकर नारेबाजी की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समय शिबू सोरेन का श्राद्ध कर्म चल रहा था, उसी दौरान सूर्या हांसदा को पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार गिराया। उन्होंने कहा कि सूर्या हांसदा धर्मांतरण, घुसपैठ और माफिया के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, लेकिन झामुमो और कांग्रेस उन्हें अपराधी बताकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

जायसवाल ने कहा कि भाजपा की दो मुख्य मांगें हैं। पहली सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच कराई जाए और रिम्स-2 के निर्माण के लिए आदिवासी भूमि का जबरन अधिग्रहण रोका जाए। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने राज्य सरकार पर आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हेमंत सरकार केवल राजनीतिक हित साधने में जुटी है।

उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना देते हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल व भाजपा कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

आदिवासियों की हत्या बंद करो, किसानों की जमीन वापस करो : भाजपा

CHAIBASA : भाजपा ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में गुरुवार को एक साथ धरना-प्रदर्शन किया। इसमें सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता सूर्या हांसदा की हत्या की सीबीआई जांच कराने और नगड़ी के रैयतों की जमीन वापस दिलाने की मांग की गई। जिला अध्यक्ष संजय पांडे के नेतृत्व में सदर प्रखंड मुख्यालय चाईबासा में हुए विशाल धरना-प्रदर्शन में प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, नगर अध्यक्ष पवन शर्मा, वरिष्ठ नेता हेमंत कुमार केसरी, जय किशन बिरुली, नितिन विश्वकर्मा, रवि शंकर विश्वकर्मा, जूली खत्री, पंकज खिरवाल सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा का धरना-प्रदर्शन

घाटशिला में रैली का नेतृत्व करते सांसद बिद्युत बरण महतो

GHATSILA : प्रदेश भाजपा कमेटी के निदेर्शानुसार गुरुवार को घाटशिला प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में सांसद बिद्युत बरण महतो के अलावा कई नेता शामिल थे। भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी विरोधी है। झारखंड राज्य के गोड्डा में समाजसेवी एवं जनता के नेता सूर्या हांसदा को 11 अगस्त को अपराधी घोषित करके फर्जी एनकाउंटर कर मार दिया गया। घटना के विरोध में भाजपा सीबीआई जांच की मांग कर रही है। नगड़ी में आदिवासियों की खेतिहर जमीन पर जबरन रिम्स २ बनाने के नाम पर सरकार द्वारा जमीन छीनने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके विरोध में भाजपा पूरे राज्य के जिला व प्रखंड कार्यालयों पर विरोध प्रकट किया गया। कार्यक्रम के अंत में अंचलाधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान लखन मार्डी, जिला मंत्री गीता मुर्मू, मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, मंटू प्रजापति, रविशंकर सिंह, ब्रजेश सिंह, बुद्धेश्वर मार्डी, दीपक दंडपात सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से राहत सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी

किशन सनमुखदास भावनानी

अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नेपाल में युवाओं का आक्रोश, सत्ता पलट और दक्षिण एशिया की राजनीति-एक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणविश्व मैं युवा पीढ़ी ही अपनें देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाली है. नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी हैं।

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दियाहै।भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेजी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो।नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-जेड (गेन जेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है?

साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है।

साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को

सड़कों पर ला दिया था। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे।

साथियों बात अगर हम नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्जरी छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो-आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल- पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश,श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है।इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है।इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका,पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे।

साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दशार्ता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। नेपो बेबीस और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ उठी यह आवाज अब केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि बांग्लादेश,श्रीलंका, पाकिस्तान और यहाँ तक कि भारत में भी राजनीतिक वंशवाद के खिलाफ नई बहस को जन्म देगी।आगे चलकर नेपाल के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि यह जनआंदोलन केवल सत्ता पलट तक सीमित न रह जाए, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी व्यवस्था में बदल सके। यदि यह आंदोलन केवल भावनाओं के आधार पर चला और संस्थागत सुधारों तक नहीं पहुँचा, तो नेपाल बार-बार उसी राजनीतिक अस्थिरता का शिकार होगा जो पिछले तीन दशकों से जारी है। लेकिन यदि युवा इस ऊर्जा को सही दिशा देते हैं, तो नेपाल न केवल खुद को बदल सकता है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नेपाल में युवाओं का आक्रोश, सत्ता पलट और दक्षिण एशिया की राजनीति-एक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणविश्व मैं युवा पीढ़ी ही अपनें देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाली है

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी हैं।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

संपादकीय

भगवा भाव न हो

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के उपराष्ट्रपति का चुनाव जीत गए हैं। उनके पक्ष में 452 वोट पड़े। कुल 767 सांसद इस वोटिंग में शामिल हुए। 15 वोट अमान्य कर दिए गए। विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी थे, जिन्हें तीन सौ फर्स्ट प्रिफरेंस वोट मिले। राधाकृष्णन की जीत पहले से ही तय थी क्योंकि संख्या बल एनडीए के पक्ष में था। हालांकि क्रॉस वोटिंग का संदेह व्यक्त किया जा रहा था। उपचुनाव के लिए कुल 98.2% वोटिंग हुई। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे हैं। 1974 में जनसंघ की कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। 1996 में तमिलनाडु भाजपा के सचिव बने। उसके बाद दो बार सांसद चुने गए पर कोयंबटूर से तीन बार हार का सामना भी किया। 2020-22 तक भाजपा केरल के चुनाव प्रभारी रहे। 2023 में झारखंड के राज्यपाल बनाए गए। फिर 2024 में उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। जुलाई में तब के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक स्वास्थ्यगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। साठ दिन के भीतर चुनाव कराना आवश्यक है। इसके लिए चुनाव आयोग निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करता है, जो किसी सदन का महासचिव होता है। उपराष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष होता है, जिसमें राज्य सभा और लोक सभा के सांसद शामिल होते हैं। मनोनीत सांसद भी अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। राधाकृष्णन को दक्षिण भारत में भाजपा के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। विनम्र, मेधावी, मिलनसार और समाज सेवा को समर्पित राधाकृष्णन की तारीफ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कह चुके हैं कि उन्हें खेलों में गहरी रुचि है पर वे राजनीति में खेल नहीं खेलते। कपड़ा उद्योग के माहिर व्यवसायी राधाकृष्णन तमिलनाडु में हिन्दुत्व की विचारधारा का नेतृत्व करते रहे हैं। इसलिए विपक्ष में सुगबुगाहट होना लाजिमी है कि उनका झुकाव धर्म विशेष की तरफ हो सकता है। दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने को बेताब भाजपा के लिए यह दूर की कौड़ी भी साबित हो सकती है। हालांकि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के दामन पर किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या पक्षपात जैसे आरोपों के छींटें नहीं हैं मगर कोयंबटूर में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। संवैधानिक पदों पर रह चुके सीपी राधाकृष्णन अपने पूर्ववर्ती से अधिक माहिर और पारदर्शी हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मों में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मों को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मों को जानते हैं।

भारत का लोकतंत्रः चुनौतियों के बावजूद मजबूत

दिलीप कुमार पाठक

पिछले कुछ सालो में दक्षिण एशिया के देशों में भी जनता में गहरा असंतोष देखने को मिला है.. एक साल पहले श्रीलंका की जनता ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को देश छोड़ कर भाग जाने के लिए मजबूर कर दिया था, और राष्ट्रपति भवन में कब्जा जमा लिया था... यही बांग्लादेश में घटित हुआ, ऐसे ही पाकिस्तान में भी राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती रहती है... कुछ ही साल पहले म्यांमार में भी तख्तापलट कर दिया गया था... अभी बीते कुछ दिनों से नेपाल के युवाओं में गहरा असंतोष देखने को मिला, वहाँ की सरकार ने इन्टरनेट बंद करके युवाओं के आंदोलन को कुचलने की नाकाम कोशिशे की लेकिन युवाओं ने नेपाल की संसद भवन को ही फूंक दिया.. एक ही दिन में प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया। नेपाल की सडकों में मंत्रियों को दौड़ा - दौड़ा कर पीटा.. सर्वदलीय बैठक में सामूहिक इस्तीफे देने के बाद देश को सुचारू रूप से चलाने की बात प्रधानमंत्री ने की.... सोचिए अगर नेपाल के प्रधानमंत्री इतने लोकतांत्रिक होते तो क्या नेपाल में ये स्थिति पैदा होती? बिल्कुल भी नहीं। नेपाल के प्रधानमंत्री के लिए ये कहावत फिट बैठती है कि जब चिड़िया चुग गईं खेत तो अब पछताए होत का...

पिछले एक दशक से देश में भाजपा की सरकार है, जिसे कांग्रेस सहित देश की अन्य पार्टियां तानाशाही सरकार कहकर संबोधित करती हैं। जब भी किसी देश में जनता के द्वारा या सैन्य तख्तापलट होता है तो हमारे देश में एक बहस चलने लगती है कि हमारे देश में ऐसे तख्तापलट हो सकता है क्या.. जिसका सीधा सा जवाब है कि भारतीय लोकतंत्र में ऐसा होना मुश्कि ल ही नहीं नामुमकिन है। नेपाल, अफगानिस्तान, श्रीलंका, जैसे देशों की तुलना भारत के लोकतंत्र के साथ नहीं हो सकती.... ये छोटे - छोटे मुल्क हैं, वहाँ ये सब हो जाना बहुत बड़ी बात नहीं है। वहाँ का क्षेत्रफल, जनसंख्या, समस्याएं भारत से बिल्कुल ही अलग हैं। छोटे - छोटे देशों में व्यवस्था परिवर्तन, सत्ता परिवर्तन जितना आसान होता है भारत जैसे देश में इतना आसान नहीं होता। नेपाल, बांग्लादेश जैसे देशों में भारत जैसे बहुराज्य नहीं है, हालांकि भारत में बहुत से राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, जिससे ये नहीं कहा जा सकता कि पूरा देश सत्ता के हाथ में है दूसरा ये कि अन्य राज्य चुनावो में भाजपा हारती भी है, यही कारण है कि ऐसे मुद्दे हवा हो जाते हैं। भारत में सभी की अपनी अलग - अलग समस्याएं हैं। भारत में जहां अधिकांश लोगों को सरकार फ्री की रेवड़ी बांटकर पाल रही है, वहाँ जनता के पास सड़क पर उतरने का माद्दा नहीं है। भारत एक विशाल विविधता वाला देश है, इसलिए यहां कुछ संगठन सत्ता पर कब्जा नहीं जमा सकते... दूसरी बात यहां मार्शल लॉ की भी गुंजाइश नहीं है, पढ़िए नेहरू जी ने 1952 में ही इन्तजाम कर दिया था। भारतीय लोकतंत्र की प्राचीर बहुत मजबूत है वो झोंकों से कमजोर नहीं होगी...एक बात और ये जो आपको संविधान बदलने वाली बात कही जाती है वो सिर्फ.एक जुमला है, १५ भी एक जुमला है....विपक्ष जहां जीत जाता है,वहीं १५ का बहाना ध्वस्त हो जाता है..

अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने वोट चोरी कैसे होता है उसे समझाया था, की प्रेस कांफ्रेंस वाला मुद्दा अगर लोगों तक पहुंच गया तो जनता समझ पाएगी। इसी मुद्दे पर सरकार बैकफुट पर आ गई थी.. अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की थी वो ही सत्य है, दूसरी बात संविधान बदलने चुनाव न कराने जैसी गलतियां भारत में कभी नहीं हो सकतीं... वर्तमान सरकारी चला रहे लोगों को पता चल गया है कि व्यवस्था का फायदा कैसे उठाते हैं... अगर आपको लगता है कि नेपाल जैसा भारत में होगा तो आप राजनीतिक रूप से अपरिपक्व हैं...हाँ इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत की सरकार मनमानी कर रही है, परंतु भारत की स्थिति नेपाल बांग्लादेश जैसे हो सकती है ये भारत में मुमकिन नहीं है। भारत का मीडिया सबसे ज्यादा भृष्ट है, यही कारण है कि देश के लोगों की राजनीतिक चेतना दिन प्रति दिन कम होती जा रही है... जिस वक़्त में देश की मीडिया के सशक्त होने की आवश्यकता थी, तब भारत का मीडिया सरकार एवं कार्पोरेट के सामने बिक गया है। सरकार से तमाम असहमति के बावजूद भी भारत के लोकतंत्र में निरंतर सुधार की कामना करना चाहिए, न कि तख्तापलट की कामना करना चाहिए। भारत का लोकतंत्र हमारे देश के महान नेताओ की देन है हम सब को इसकी रक्षा करनी होगी इसी की रक्षा में हमारी रक्षा निहित है।

(लेखक पत्रकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उपराष्ट्रपति चुनाव : एक तीर से कई निशाने साधे एनडीए ने

ललित गर्ग

सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार एवं तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की। यह ऐतिहासिक घटना भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का भी संकेत है। राधाकृष्णन का चुना जाना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक-राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी जोड़े। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहां राजनीति से ऊपर उठ कर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है।

इस जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करती है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करती है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दशार्ती है, जहां व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्त्व मिलेगा। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की

भी झलक देता है, जहां वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक-वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। कहा जा सकता है कि चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक जमीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 4 सीटें मिलीं जबकि एनडीए गठबंधन को 66 सीटों पर सफलता मिली। स्पष्ट है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ कमजोर है, और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बना कर रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है।

संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन के चुने जाने से भाजपा को उम्मीद है कि विधानसभा चुनावों में वह अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उनका कार्यालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देते हैं। इस पद को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊंचाई दी तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदशरे का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्त्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्ज्वल परंपरा को बढ़ाने का संकेत है। यह बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं, बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है, जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति पद निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बना रहे।

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्य सभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति पद का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि संसद की गरिमा और संविधान की मयार्दा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक-राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका जीवन कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को शक्ति के रूप में नहीं देखा, बल्कि सेवा और कर्त्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे सत्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहे हैं, तो आशा की जा सकती है कि संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊंचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Rethinking Swadeshi in Trumpian era

This essay is an attempt to explore the relation between the word and the world in the domain of policy. One must confess the domain of policy has become an esoteric world—full of arcane interpretations of ordinary language.

The recent exchange of words between Donald Trump and Narendra Modi escalated a lot in the news. It has been seen as a battle between two nations on tariffs and trade. It is also a struggle for dignity. Modi has raised the word 'swadeshi' in this context. One hopes to explore the fate of this word.Modi's use of the word is strictly economic; but one has to locate this sense of swadeshi within a wider historical and philosophical context. The most fruitful way of doing this is to contrast Modi's construct of swadeshi with a Gandhian imagination.One has to, first of all, emphasise that while Modi exudes the official, Mahatma Gandhi's is a playful performance. Gandhi displayed a cultural confidence against the British. One can see the power of his attitude in two small anecdotes. Once an American journalist asked Gandhi what he thought of Western civilisation. He replied, 'It would be a good idea.' Gandhi went further. He said the task of the Indian national movement was not just to overthrow the British, but to rescue them from the travails of modernity.

To the cultural confidence that underlay swadeshi and swaraj to its playfulness, one must add a polysemic power. For Gandhi, these two words conveyed a spectrum of meanings. Swadeshi implied the indigenous, the local, and the vernacular. Each summoned a different domain of meaning. Each mapped a different angle to life. The word that immediately comes to mind is 'local'. It implied a geography, a sense of neighbourhood. Swadeshi implied that the local was primary.But Gandhi used the word local in a slightly different sense. The local was also indigenous. It implied not only geography, but also a sense of cultural time. The local was an attempt to sustain diversity and plurality, not just uniformity. The local implied not just economics, but a sense of linguistics and materials. The local implied local materials, local seeds, a local imagination. Each microcosm added to the richness of the macrocosm we call swaraj.Swaraj, in that sense, is a more holistic term. Yet the two words are connected. Each connects a word and a world. Modi's sense of swadeshi is too shortsighted to capture this cultural imagination. Swadeshi in the sense implies trusteeship, a sense of caring, not just a parochial sense of security. The relation between language, culture, technology, and economics is just manifold.

Swadeshi and swaraj are not just questions of scale; they imply a relation of parts to a whole—microcosm to macrocosm. The Gandhian activist Ela Bhatt put it brilliantly. She said swadeshi and swaraj are 'home science' words. You use the metaphor of the home not just to create a local space, but a home in the world. Domesticity and international relations weave together, so in a sense a concern for a dewdrop is a sense of the ocean.Gandhi's sense of swaraj was playful and holistic. Modi's sense of swaraj is a purely official, narrow, arid idea of the nation's state. It suffers from a rigor mortis of the imagination. If Modi had a sense of swaraj today, he would have challenged Israelis' actions on the Gaza Strip. Instead of letting Palestinians starve, Modi would have flooded the area with langars, turning food into a gift of peace. His silence, his international relations, has no sense of swaraj.Modi also lacks a genuine sense of swadeshi. Swadeshi as an idea doesn't try to exclude, it seeks to encompass. The local always signals the hospitable. Gandhi's sense of swadeshi and swaraj in that sense was hospitable, deeply caring, sensitive to culture—it embodied a trusteeship of diversity on every front. Modi is all for modernity. He is seeking to change the Andamans through development projects; Gandhi would have built a satyagraha around the project and would do something similar with Manipur.

A home-grown uprising in Nepal

People's anger, despair plunge the Himalayan republic into chaos and uncertainty

THE situation in Nepal today is unprecedented, unimaginable, very serious. It is a demonstration of the anger, the revulsion and the fury of the people, which has spilled out into the streets.The lynching of senior politicians, the burning of government property, of the new Parliament built by the Chinese, of the official home of the Prime Minister, called Baluwatar, of the home of President Ram Chandra Poudel, of private homes of former and current prime ministers, is something I have not seen in my living memory anywhere in the world — not in Bangladesh, not in Sri Lanka, not in Indonesia.

This is much worse than the situation in Bangladesh just over a year ago, when the protests led to the flight of the former prime minister Sheikh Hasina. It is much worse than the situation in Sri Lanka in 2022, when the homes of several politicians were burnt down, but politicians weren't attacked.In Kathmandu on Tuesday, former prime minister Sher Bahadur Deuba and his wife, foreign minister Arzoo Rana, were beaten up. They are lucky to escape with their lives. Former PM Jhalanath Khanal also suffered the same fate; his wife has been burnt — some say she was burnt alive.The fact that the Nepal Army has taken all the top politicians in its security is good — fact is, today, they have no alternative but to seek shelter under the umbrella of the Nepal Army. It is too unsafe for them to be anywhere else.And yes, the Army must step in and control the situation. It is, potentially, the only stabilising force in Nepal today. It has a very critical role to play. The country needs to return to some law and order.What has happened in Nepal over the last two days is largely a home-grown uprising. The intensity of the violence is directly linked to the 19 people killed in the protests. If the situation had been handled better yesterday, if political steps had been taken, if Prime Minister K P Sharma Oli had announced his resignation earlier, Nepal would not find itself in the state it is right now.The disenchantment in Nepal that has manifested in this utter chaos has several causes. The younger generation, the so-called Gen Z, is in despair. They've lost hope. It was a foolhardy decision to ban social media apps, there should have been other ways of ensuring that these companies abide by Nepalese laws. The malaise is very deep in Nepal.There is huge corruption in high places. Worse, no investigation is being carried out in these scams, which, allegedly involve top leaders of political parties. Nepalis believe that the unholy coalition between the Nepali Congress and the Communist Party of Nepal, UML, between Nepali Congress leader and former PM Sher Bahadur Deoba and UML leader and (just resigned) PM Oli exists because it was meant to stop investigations into corruption allegations between its top leaders. And that these two big parties came together to squeeze all the opposition inside Parliament.

The second key reason for the despair in Nepal is unemployment. There are no jobs. Large numbers of young people are leaving the country for menial jobs in the Gulf that don't even pay well.So when the armed police on Monday tried to stop the young protestors and even used live ammunition against them, it unleashed a fury in Nepal that was never seen before. I have seen pictures of young children in school uniform bleeding from shotgun wounds.This anger against the political parties is manifesting across the board — the Nepali Congress, CPN (UML), the Communists. It points to a deep sense of alienation that Nepal's young people feel about their political parties and the kind of governance they provided.Significantly, this is a nameless, faceless kind of agitation. Unlike the 'jan andolan' or 'people's movement' of 2006, when the political parties as well as the Maoists led the charge against the monarchy, one doesn't really know who the leaders of this 'andolan' are or what their demands are.Significantly, the young people leading this spontaneous uprising are also protesting against what they call "nepo kids" or "nepo babies", the children of rich politicians who flaunt their luxurious lifestyles on social media. That has caused a lot of resentment amongst the Nepalese. These young people travel in fancy cars, live in palatial bungalows while the poor — well, the poor have nowhere really to go.It is important to note that this agitation is taking place across Nepal, in the Kathmandu valley and in the Terai, which shows the extent of alienation in the country.

Certainly, the callous manner in which this people's agitation was handled speaks of a disconnect between the leadership and the led. It is a worrying undercurrent that the young believe that the system, the 2015 Constitution that was crafted after years of Maoist insurgency, Madhesi agitation and endless debate, is not delivering.

This was supposed to be a federal democratic, secular, inclusive republic of Nepal. But because the peace and prosperity dividend has not been forthcoming, people are questioning not just the people who implemented the Constitution, but the very Constitution itself.

Naturally, India is watching the situation closely. We have an open border between our two nations, more than 2000-km-long, along the states of West Bengal, Bihar and Uttarakhand, so security along the border has been tightened and travel across some districts completely shut down.India has always been on the side of the aspirations of the people of Nepal. If you look at India's role in Nepal since 1950, this has always been the case. I trust that India will continue to support the aspirations of the Nepali people.

Monitor road safety, set maintenance rules

The authorities need to be held strictly accountable and elected representatives need to use their offices to monitor road safety in their jurisdictions. Strict accountability, standardised contractor protocols and regular audits need to be put in place

In a horrendous incident on Tuesday, a 44-year-old woman died when she unsuspectingly rode into a pothole, causing her to fall and get crushed under a speeding truck's wheels on National Highway 66 near Mangaluru. The ministry of road transport and highways has reported 9,109 deaths nationwide—mainly of two-wheeler riders—between 2019 and 2023 because of potholes. The Supreme Court, while hearing the S Rajaseekaran (2025) case, noted that deaths due to potholes in India surpassed those from terrorist attacks, and attributed the terribly high incidence to municipal authorities failing to effectively discharge their duties.Potholes appear due to inadequate road maintenance, especially where substandard material is used. But it is negligence and apathy that prevails in compromising road maintenance, be they on national or state highways, district roads, or thoroughfares in cities, towns and villages. There is a lack of public awareness about legal recourse, too, despite the Bombay High Court's 2015 ruling that the right to safe and properly maintained roads is part of the right to life under Article 21 of the Constitution, and that citizens have a right to seek compensation for any loss caused by the violation of this right. Even the Supreme Court recognised the liability of the state for the acts of public servants in cases where fundamental rights are infringed upon, wherein the law of tort can be applied using Article 300 to deal with any breach of duty committed by them.

The authorities need to be held strictly accountable and elected representatives need to use their offices to monitor road safety in their jurisdictions. There's a need for a codified legal framework spelling out road maintenance duties for the authorities concerned, while equipping them with state-of-the-art pothole repair machines. Strict accountability, standardised contractor protocols and regular audits need to be put in place, alongside stricter penalties to deter them from being negligent or apathetic. An efficient redress system is a must, as is a time-bound compensation process for such accident victims. It's a long road ahead, though not one impossible to traverse. Otherwise India would undermine its commitment to the international community on road safety under the UN Sustainable Development Goals and the UN Decade of Action for Road Safety 2021-2030, which aims to reduce road deaths by half.

Karnataka back to battling with ballots

Given the loud allegations of voter roll and EVM manipulation, the Karnataka government's decision to conduct its upcoming local body polls with paper ballots is significant. Apart from the State Election Commission, the responsibility to ensure a clean process falls on the political parties too

With the Karnataka government deciding to go for paper ballots for the upcoming local body elections, forgoing electronic voting machines or EVMs, the State Election Commission (SEC) faces challenges in conducting a free and fair exercise.

The Congress-ruled state's decision is not only aligned with the party's national campaign to return to paper ballots, but also follows the allegations the party's central leadership made against the Election Commission of India (ECI) for 'manipulation' of the poll process.It is now incumbent on the SEC, an independent body, to show that it can prepare a voters' list free of manipulation and conduct paper polling free of discrepancy.ver since the Lok Sabha polls last year—and more stridently after the Haryana and Maharashtra assembly elections that followed—the Congress has intensified its campaign charging the ECI of helping the BJP "steal" elections through manipulation of electoral rolls and EVMs.Now, given the Karnataka government's decision, among the first responsibilities of the SEC would be to prepare the rolls of the state's 5.52 crore electors, as per a 2025 revision. A clean roll is vital for any democracy; it should ensure that no genuine voter is left out of the system. In this regard, while announcing the state cabinet decision to go for paper ballots, law minister H K Patil pointed out: "The cabinet has decided to authorise the SEC to prepare, revise, and, if required, redo the electoral rolls for these polls."So far, the SEC was using the electoral roll available with the ECI to conduct the local polls. "Now, to conduct all local body elections, the state cabinet will recommend amendments for revision, correction and reconstitution of the voters' list, so that the SEC can prepare a high-quality electoral roll," Patil added.The voters' list is indeed a matter of greater concern than the EVM. The allegation of roll manipulation is levelled in almost every state and hardly any party is left untarred by such charges. It is the ECI's duty to prepare the final, error-free list because the buck stops with the constitutional body in a general election. However, the political parties need to share the blame too, because they need to carry out their duty of verifying the list properly.The ECI sends the electoral roll twice a year to the political parties to check and recommend deletions or additions. As per the current procedure and calendar of events, the parties are asked to verify the rolls once when the draft rolls are out in October, and again in January when the final list is published. The parties must question themselves whether they have carried out this task rigorously.

Why does the roll become so important? Consider the two recent allegations related to Karnataka made by Congress leaders. In a highly publicised press meet, Rahul Gandhi highlighted what he called a manipulation of the voters' list; as an example, he showed a copy of the roll containing some 80 voters residing in a single one-room tenement in the Mahadevapura assembly segment of the Bangalore Central Lok Sabha constituency. He also said that in many other cases, the house number of the voter is given as '0' and the name of the voter's father as 'ABCDEF' or something like that.

B R Patil, MLA from Aland in Kalaburagi district, has claimed the ECI has not responded to repeated requests by the Karnataka criminal investigation department to give details of the applications that sought the deletion of about 6,000 allegedly forged names from the voters' list in his constituency in the 2023 assembly election. He said all these were his supporters and there was a conspiracy to delete their names to ensure his defeat—something he came to know by accident. Patil won by 10,348 votes in 2023; he had lost in 2018 by a mere 697 votes.These examples highlight the importance of the voters' list. And need for the Karnataka government and SEC to take all available measures to ensure that the local body polls are fool-proof.

As regards EVMs, over the past couple of decades, high courts and the Supreme Court have dealt with petitions that questioned the use of EVMs and requested a return to paper ballots. Every time, the courts upheld the use of EVMs, saying they cannot be hacked, and ruled out use of paper ballots.

Former Chief Election Commissioners such as Navin Chawla, S Y Qureshi (both appointed by Congress-led governments) and O P Rawat (appointed by a BJP-led government) have strongly refuted claims that EVMs can be hacked. The ECI gave more than one opportunity to political parties to come to the Election Commission headquarters to examine EVMs with their own technicians, but the parties did not accept the gauntlet. Only Janata Party president Subramanian Swamy visited and demanded the installation of VVPATs (voter-verifiable paper audit trails) to the EVMs. The latest legal challenge on EVMs was decided in November 2024, when the Supreme Court again junked a petition seeking a return to paper ballots.

SpiceJet secures $89.5 million liquidity boost through Carlyle settlement

NEW DELHI.(Agency)

Low-cost carrier SpiceJet Ltd has reached a settlement with Carlyle Aviation Partners, unlocking $89.5 million in liquidity that will support the airline's restructuring and balance sheet strengthening efforts.As part of the agreement, the airline will gain access to $79.6 million in cash maintenance reserves for future aircraft and engine maintenance, along with $9.9 million in maintenance credits to offset lease obligations, SpiceJet said in a regulatory filing on Thursday.The deal also involves restructuring of certain lease obligations worth $121.18 million, combined with the issuance of equity shares aggregating $50 million. Additionally, if Carlyle realizes proceeds above $50 million from the sale of these shares, a portion of the excess will be used to offset SpiceJet's future lease obligations.

Promoter Ajay Singh, or his designated assignee, will have the option to purchase these equity shares once the statutory and contractual lock-in periods expire.

Ajay Singh, Chairman and Managing Director of SpiceJet, called the settlement a "significant milestone" in the airline's turnaround. "The support extended by Carlyle demonstrates their confidence in SpiceJet's long-term prospects. This transaction meaningfully reduces our liabilities, strengthens our balance sheet, and positions us well for sustainable growth," he said.The airline said the settlement underlines its focus on strategic restructuring, cost efficiency, and forging long-term partnerships with stakeholders.SpiceJet operates a fleet of Boeing 737s and Q400s and is a major participant in the government's UDAN regional connectivity scheme.

Funskool in advance talks with Mattel Inc for contract manufacturing

New Delhi.(Agency)

India's biggest toy manufacturer, Chennai-based Funskool, is in advanced stages of discussions with Mattel Inc.—makers of Hot Wheels, Barbie dolls, and Jurassic World toys—for producing the latter's products at its Goa plants.Speaking to TNIE, Funskool chief executive KA Shabir said that except for Mattel, all other US toy brands have halted production orders because of US tariffs. He added that orders from US customers have slowed significantly following the tariff announcement. The current tariff on toys stands at 50%.Shabir said: "The real impact (of US tariffs) will show in 2026. The tariffs are stalling the growth momentum of the toy industry just when global brands began investing in India. With the US being the world's largest toy market, such high tariffs make sourcing from India unworkable, pushing business to Southeast Asian countries."On growth plans and current operations, Shabir said the first two quarters of FY26 indicated that the company was on track to achieve its target of 30% export growth. "But the imposition of tariffs has dampened our export growth expectations. Till September, exports are expected to grow only around 20–22%," he noted.The company has set an overall growth target of 15%, mainly driven by exports. "With 40% of our business linked to the US, the tariffs are a serious setback. The US business cannot be replaced overnight—the scale is unmatched. This will delay our growth plans, not only for Funskool but for India's toy industry as a whole," Shabir said.Funskool has put on hold the expansion of its Ranipet plant due to order cancellations, though expansion at its Goa plant is progressing as scheduled. The Goa facility is expected to operate at full capacity by the third quarter of FY26. Together, the two plants generate $50–55 million in revenue.

"For the past four to five months, we have been working on new projects slated for delivery next year. However, everything has been put on hold for now. Our customers may inform us about new orders in the next two to three weeks," Shabir said.

Blinding glitter of Silver: Price can reach Rs 1.5 lakh/kg, says Motilal Oswal

Kolkata. Agency)

Though silver is going through one of the most remarkable bull runs in history and has climbed as much as 37% this year so far, prominent brokerage firm Motilal Oswal thinks a lot of steam is left in this precious metal, thanks to its multiple demand triggers. On Thursday (September 11) morning MCS Silver was trading at Rs 124,968, down Rs 212 or 0.17%.Motilal Oswal is extremely bullish about silver and has recommended "buy-on-dips" strategy over the next one year to 15 months. It has set long-term support levels — prices at which any decline in the price is set to stop and reverse direction of movement — between Rs 1,04,000 and Rs 1,08,000. Silver has generated annualized returns of about 20% in the past three years, which is remarkable against any other asset categories.Silver Price outlook

Motilal Oswal has maintained a positive medium to long-term view on the white metal prices. According to Motilal Oswal, the price is now expected to go past the Rs 1,35,000/kg mark. The next target to follow is Rs 1,50,000. It assumes the exchange rate of the US Dollar and Indian rupee at 88.5.Significantly, the price of both gold and silver in India are critically dependent on the exchange rate of the Indian rupee versus the US Dollar. India imports a lot of gold every year. In 2022, a record of 9,534.41 tonnes were imported, while it fell to 3,625 tonnes the next year. The imports will surpass 3,000 tonnes in the ifrts half of this year. Thanks to the twin demands from the safe-haven investors and industrial sectors, the demand will remain high. Since the metal is imported in such volumes, the exchange rate determines the price of silver in the country significantly. If the value of the rupee goes down, the price of imported silver rises even if global silver prices remain unchanged.

3 IPOs in focus: Urban Company leads, but where's the bigger listing gain

The 2025 housing market signals a clear shift. Buyers are moving beyond affordability, prioritising quality, timely delivery, and livability, even if it means paying more for premium and luxury homes.

New Delhi.(Agency)

The initial public offering (IPO) of Urban Company has attracted strong interest from investors since it opened for bidding on September 10, 2025.Within a few hours, the issue was fully subscribed, indicating high demand from retail investors. Alongside Urban Company, two other IPOs, Dev Accelerator and Shringar House of Mangalsutra, are also open for bidding this week.All three IPOs have shown robust subscriptions so far, but out of the three, which one may offer the best profit based on the grey market premium (GMP) trend is the important question.

URBAN COMPANY IPO SEES STRONG DEMANDUrban Company's IPO ended its first day with an overall subscription of 3.29 times. The public issue saw a strong retail category subscription of 7.39 times, while qualified institutional buyers (QIB) subscribed 1.37 times and non-institutional investors (NII) subscribed 4.37 times.Urban Company, an app-based platform for home and beauty services, has become one of the most awaited IPOs of 2025. Its last recorded GMP is Rs 39, updated on September 11 at 06:53 AM.With a price band set between Rs 98 and Rs 103 per share, the estimated listing price based on the latest GMP is Rs 142. This suggests an expected listing gain of 37.86% from the upper band price of Rs 103.While Urban Company is drawing the most attention, two other IPOs are also seeing good interest.

Dev Accelerator's IPO subscription stood at 5.34 times on its first day. The retail category was highly subscribed at 19.60 times, while QIB and NII categories saw 1.16 and 4.46 times subscriptions respectively.The last GMP recorded for Dev Accelerator is Rs 9, updated on

September 11 at 06:53 AM. With a price band of Rs 56 to Rs 61, its estimated listing price is Rs 70. This implies an expected gain of 14.75%.

Shringar House of Mangalsutra's IPO saw a total subscription of 2.01 times on its first day. The retail category was subscribed 2.84 times, QIB just 0.01 times, and NII 2.70 times.Its latest GMP is Rs 29.5 as of September 11, updated at 06:56 AM. With a price band of Rs 155 to Rs 165, the expected listing price is Rs 194.5, giving an estimated gain of 17.88%.

HOW DOES GMP AFFECT INVESTOR DECISION?

The grey market premium (GMP) serves as a good indicator of investor sentiment towards an IPO before its official listing. It reflects how much investors are willing to pay over the IPO price in the informal market.Currently, Urban Company stands out for its high expected listing gains of 37.86%, almost double that of Dev Accelerator and significantly higher than Shringar House of Mangalsutra. This is likely driven by the strong brand presence of Urban Company and its position in the fast-growing home services sector.The subscription for all three IPOs will close on September 12, 2025. The allotment is expected to be finalised on September 15, 2025. All three IPOs are set to list on the BSE and NSE on September 17, 2025.

Biocon opens first US manufacturing facility in New Jersey

New Delhi.(Agency)

Biocon Limited on Wednesday announced the inauguration of its first US manufacturing facility in Cranbury, New Jersey, through its wholly owned subsidiary Biocon Generics Inc (BGI).

The oral solid dosage facility, acquired from Eywa Pharma Inc. in 2023, has been upgraded with an investment of over $30 million and has an annual production capacity of 2 billion tablets. Some products have already been commercialized, with several more in the pipeline, the company said.

New Jersey Governor Phil Murphy was the guest of honour at the inauguration, which was attended by Biocon Chairperson Kiran Mazumdar-Shaw, CEO and MD Siddharth Mittal, and

industry stakeholders.Mazumdar-Shaw described the facility as a "new chapter" in Biocon's global expansion. "More than a milestone, it is a reaffirmation of our purpose to serve patients wherever they are," she said, adding that the plant strengthens supply reliability and creates opportunities in the US healthcare ecosystem.Mittal said the US presence will bring the company closer to patients and healthcare providers. "The proximity allows us to deliver our vertically integrated, high-quality medicines more efficiently while ensuring supply chain resilience," he said.Governor Murphy welcomed the investment, calling it a boost to New Jersey's reputation as the "medicine chest to the world."Biocon, which went public in 2004, develops and markets biologics, biosimilars, and complex generics across global markets. The company said the New Jersey facility will play a critical role in expanding access to affordable therapies for patients in the US and beyond.

Document shows India resisting complete crypto regulation: Report

New Delhi.(Agency)

Instead of introducing comprehensive laws to regulate digital assets, the government is leaning towards maintaining limited oversight, fearing that bringing cryptocurrencies into the formal financial system could cause systemic risks, according to a government document seen by Reuters.The document reveals that India's approach is driven by caution. The Reserve Bank of India (RBI) believes that controlling the risks of cryptocurrencies through regulation would be very difficult in practice.Regulating these assets fully could give them legitimacy, potentially leading the sector to become part of the financial system in a way that might be unsafe, the document explains.While some countries like Japan and Australia are developing frameworks to regulate digital assets carefully, India remains cautious.China continues to ban cryptocurrencies but is exploring the idea of a Yuan-backed

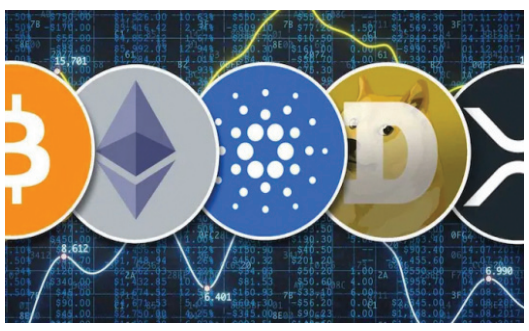

stablecoin. Meanwhile, the U.S. has passed the GENIUS Act, which allows for wider use of stablecoins—cryptocurrencies linked to fiat currencies designed to avoid wild price swings.

The document warns that stablecoins, mostly pegged to the US dollar, need scrutiny. Though they aim to provide price stability, they can still fluctuate because of market shocks or liquidity issues.The government is concerned that wide use of stablecoins might fragment the national payment system, especially the Unified Payment Interface (UPI), which is the backbone of India's digital payments.The government does not favour an outright ban on cryptocurrencies either. Such a ban would block some risks but would not stop peer-to-peer transfers or decentralised exchange trades, which are difficult to monitor. Instead, the current approach relies on making global crypto exchanges register locally and face strict checks to prevent money laundering and fraud.

Patanjali Foods shares fall 66.7% on ex-bonus; move to boost liquidity

With the bonus issue, shareholders now hold three shares for every one share they previously owned. The shares were traded at Rs 593.40 a unit at 11.40 AM

CHENNAI.(Agency)

Shares of Patanjali Foods witnessed a sharp fall of 66.7% on Thursday as the stock turned ex-bonus following the company's announcement of a 2:1 bonus issue. This steep decline was purely a technical adjustment in line with the bonus issuance, and does not reflect any fundamental change in the company's valuation or market capitalisationWith the bonus issue, shareholders now hold three shares for every one share they previously owned. Correspondingly, the stock price was adjusted downward to reflect this increase in share count, resulting in a proportional decline in price. For investors, the overall value of their holdings remains unchanged, as the total market capitalization of Patanjali Foods stays intact.The primary objective behind the bonus issuance is to improve stock liquidity and enhance retail investor participation. By increasing the number of outstanding shares, the company aims to make its shares more accessible to a broader base of investors, potentially improving trading volumes and market activity.Market analysts view this development as a standard corporate action, designed to boost investor interest rather than signal any operational concerns. However, such large percentage movements can often trigger short-term volatility and speculative trading, especially in thinly traded stocks.Investors are advised to focus on the long-term prospects of Patanjali Foods, including its business fundamentals and market strategy, rather than reacting to mechanical price adjustments related to the bonus issue.

Multibagger stock! How Hitachi Energy India shares turned Rs 1 lakh into Rs 12.50 crore

Hitachi Energy India shares surged 12,500 per cent jumped since April 2020. The stock jumped from Rs 15 in April 2020 to Rs 19,923 on 11th September 2025.

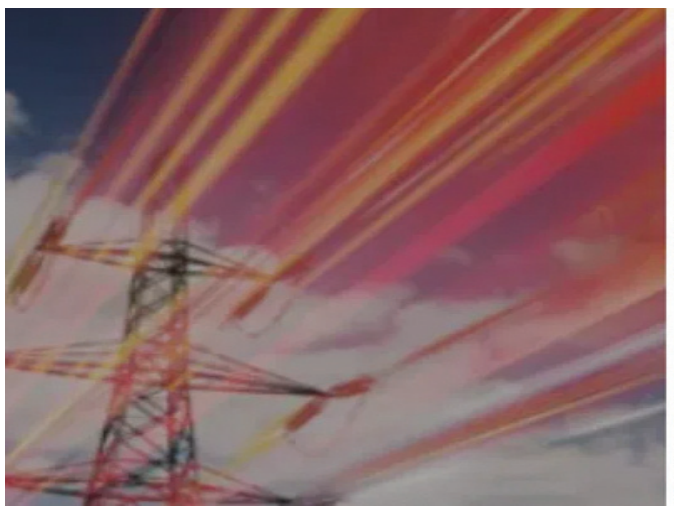

New Delhi.(Agency)

Indian Stock Market has grown significantly in the last two decades. A huge number of people have enrolled themselves in the market with a hope to make good profits from their investments. Several companies' shares have turned out to be multibagger returns in the last 4-5 years. In this article we inform you about Hitachi Energy India stock which has given exponential returns.Hitachi Energy India shares have turned out to be a multibagger in the last five years. The stock which is trading at Rs 19,922 apiece was available at Rs 923.75 on 11th September 2020.Hitachi Energy India stock surged 12,500% Notably, Hitachi Energy India shares traded at Rs 15 in April 2020, when the markets faced a rout because of the COVID-induced lockdown. If an investor had pumped in Rs 1 lakh in April 2020 to buy Hitachi India shares, the investment would have skyrocketed to more than Rs 12.60 crore today. This indicates that the stock surged 12,500 per cent in this time period.Not only this, Hitachi Energy India stock has performed exceptionally well in 2025 as the counter has jumped 66 per cent in the last six months.Hitachi Energy India Q1 2025-26 ResultsIn its April-June quarterly results of 2025-26, Hitachi Energy India registered a strong revenue performance, at Rs 1,529.8 crore, with a 15.3 percent Year-on-Year growth."The company posted a significant YoY growth in profit before tax (PBT) and profit after tax (PAT) on a lower base," it stated in its release.PBT recorded a YoY growth of 1075.3%, while PAT stood at 1163.1%, respectively.

Indian Navy commissions first 3D Air Surveillance Radar aboard warship

➤The Lanza-N has been developed by Tata Advanced Systems in collaboration with Spanish defence company, Indra. This is the first time that a Lanza-N radar will be operational outside Spain.

Agency New Delhi.

The Indian Navy has commissioned its first 3D Air Surveillance Radar (3D-ASR) aboard a warship. The Lanza-N has been developed by Tata Advanced Systems in collaboration with Spanish defence company, Indra.The Lanza-N is a naval variant of Indra's Lanza 3D radar. This is the first time that a Lanza-N radar will be operational outside Spain.With this collaboration, Tata Advanced Systems has become the first Indian company to demonstrate the capability to build and integrate next-generation naval surveillance radar systems.

The radar has been integrated following sea trials, during which various naval and aerial platforms were deployed to test performance across a range of radar cross-sections.To support ongoing production, a radar assembly, integration and testing facility has already been established at Tata Advanced Systems' facility in Karnataka, which will accelerate deliveries.Sukaran Singh, Chief Executive Officer and Managing Director of Tata Advanced Systems said, "Our collaboration with Indra reflects a shared commitment to strengthening radar manufacturing capabilities in India. By leveraging on-ground synergies, technical expertise, and a robust local supply chain, we are building a strong ecosystem for advanced defence technologies.

Speaking on the development, Ana Buendia, ead of Indra's naval business unit, said that this project "also enabled us to establish a significant collaboration with Tata Advanced Systems, with whom we have worked to establish a radar factory in Bengaluru"

WHAT IS LANZA-N

Indra's Lanza-N is one of the most advanced long-range, three-dimensional tactical surveillance system capable of detecting friendly and hostile air and surface targets within a particular coverage space.

HAL receives third GE404 engine for Tejas, 2 jets ready for October delivery

Agency New Delhi.

Hindustan Aeronautics Limited (HAL) received the third GE404 engine from the US on Thursday, clearing the way for the long-delayed delivery of Tejas Mk1A fighter jets, sources said.

One more engine from US-based GE Aerospace is expected by the end of September. HAL will then hand over the first two Tejas aircraft to the Indian Air Force (IAF) in October, the sources added.

"Ten aircraft are already built and tested. The first delivery will take place in October, with one aircraft from Nashik already ready for handover," a top source said.

The progress comes after delays in engine deliveries, which had put the production of Tejas jets behind schedule, prompting Air Chief Marshal AP Singh to publicly berate HAL. The Rs 45,000 crore contract, signed in 2021, requires the state-run aerospace giant to supply 83 Tejas Mk1A fighters to the IAF.

After Thursday's delivery, another engine is expected soon to support production lines. HAL is banking on at least two engines per month starting October to bring schedules back on track.

Alongside the F404 engines, 10 F414 engines have already arrived. The broader deal for 113 F404 engines for an additional 97 Mk1As is nearly done."Only the signing of the contract remains, which is expected this month. The Cabinet Committee on Security has already cleared it," sources said.

Meanwhile, the Tejas Mk1A has cleared weapons integration trials, including firing Astra and ASRAAM missiles. The more advanced Tejas Mk2 is slated for rollout in 2027, while 83 Mk1As are now expected by 2029 after a four-quarter delay.

38 Indians evacuated from Nepal amid unrest, safely reach Bihar with embassy's help

Agency New Delhi.

A 29-year-old woman allegedly strangled her three children and then died by suicide following a family dispute in Tikri town in Uttar Pradesh's Baghpat district, officials said on Wednesday.According to police, the woman, identified as Tej Kumari, also known as Maya, took the step after quarrels at home over her husband not speaking to her and the children not being sent to a private school.

The victims were her daughters aged 4 months, 2 years and 7 years. Vikas Kashyap, Maya's husband and a Delhi-based tourist-bus operator, was reportedly asleep outdoors under a tree when the incident occurred.

When neighbours alerted authorities, police broke open the door and found the three children's bodies on a cot and Maya hanging from the fan.The bodies have been sent for post-mortem and further investigation into the matter is underway.Amid political unrest in Nepal, 38 Indians stranded in the country were safely brought back to India through the Raxaul border in Bihar with the assistance of the Indian Embassy in Kathmandu.

According to officials, the group included 22 people from Andhra Pradesh and 16 from Karnataka. They were guided across the Birgunj-Raxaul border by the Indian Consulate General in Birgunj and handed over to local authorities in Bihar.On their return, the evacuees thanked the Indian Embassy and security agencies for ensuring their safe passage.

Delhi to microchip one million street dogs in two years, begin census soon

Agency New Delhi.

Installing microchips on 1 million street dogs over the next two years, dog census, feeding guidelines and decisive action against illegal pet shops – these were some of the directions issued by Delhi Development Minister Kapil Mishra during a meeting on Wednesday.The meeting of the Animal Welfare Board was held at the Delhi Secretariat, where many important decisions were taken. Development Commissioner Shurbir Singh, along with senior officials from the Animal Husbandry Department, NDMC, MCD and other departments were present, an official statement said.

There was a discussion about the National Rabies Control Programme at the meeting. With World Rabies Day approaching, it was decided that comprehensive measures would be undertaken in Delhi for rabies control. These include microchipping of dogs, prevention of dog bite incidents, and digitisation of the vaccination process.

Special emphasis was placed on "strengthening rabies control and dog population management in Delhi through microchipping". The microchipping will be carried out in collaboration with the United Nations Development Programme (UNDP).

It was also resolved that an Animal Market Monitoring Committee will soon be formed in Delhi to oversee activities in animal markets.Mishra directed that a dog census and monitoring system be implemented at the earliest to ensure accurate data and stronger future planning.

It was also decided in the meeting that registration of pet shops in Delhi will be made mandatory, for which a special monitoring committee will be constituted. Mishra clarified that all related rules will be implemented soon, and every regional committee will be activated to ensure monitoring and action at the local level.

To promote animal welfare, it was decided to launch awareness programmes at the school level in collaboration with the Education Department.Additionally, Board members will be allowed to participate in national and international conferences and training programmes.

Game must go on: Top court refuses urgent listing of plea to stop India–Pak match

Agency New Delhi.

The Supreme Court on Thursday declined an urgent hearing of a public interest litigation (PIL) seeking cancellation of the India–Pakistan cricket match scheduled for September 14 in UAE as part of the T20 Asia Cup.

The petitioners argued that playing a cricket match against Pakistan so soon after the Pahalgam terror attack was "against national interest" and would "belittle the sacrifices" of soldiers and civilians who lost their lives.The April 22 attack in Jammu and Kashmir's Baisaran Valley left 26 civilians dead, and prompted India to launch Operation Sindoor to target terrorist infrastructure across the border.

During a brief mentioning, counsel for the petitioners urged the bench to list the matter on Friday, saying, "The match is on Sunday. Please list it tomorrow." Justice J K Maheshwari, however, shot down the request, remarking, "The match must go on." When the lawyer pressed further, even admitting "I may have a bad case," the court maintained, "No, nothing," refusing to intervene.

The PIL, filed under Article 32, also sought directions to bring the Board of Control for Cricket in India (BCCI) under the purview of the Ministry of Sports and ensure implementation of the National Sports Governance Act, 2025, to make cricketing decisions more accountable.

India and Pakistan have not played a bilateral series on each other's soil since 2012-13, when Pakistan toured India for a short series. Since then, political and security tensions have meant that the two sides only meet in international tournaments such as the Asia Cup, ICC World Cup, or T20 World Cup, at neutral venues. Calls to suspend cricketing ties usually intensify after major terror incidents, with public opinion often divided on whether sporting events should continue.Despite the plea, the high-profile India–Pakistan match, traditionally the most watched fixture in cricket, remains on schedule and is expected to draw record viewership as both sides clash for the first time since India's Asia Cup win in 2023.

Chaos on SpiceJet Kathmandu flight over faulty AC, flyers disembark

Agency New Delhi.

Chaos erupted on a SpiceJet flight (SG 41) from Delhi to Kathmandu on Thursday after frustrated passengers created a ruckus over faulty air conditioning (AC). A video that has gone viral shows passengers visibly distressed and angry as they were made to wait inside the aircraft in the sweltering heat.The passengers later disembarked from the aircraft, in the second such incident within 12 hours. SpiceJet said the aircraft witnessed a technical snag, causing the delay. "The airline is trying to resolve the issue," it further said.

Videos shared on social media showed passengers using newspapers and magazines to fan themselves as the aircraft turned into a hotbox.

On Wednesday night, a similar incident unfolded on a Singapore-bound Air India flight at the Delhi airport. More than 200 passengers were deboarded after being seated on the Boeing 787-9 Dreamliner aircraft for nearly two hours without any AC.

The flight (AI 2380) was scheduled to depart at around 11 pm on September 10. PTI reported that there was a fault in the aircraft's air conditioning system and the electricity supply.

Similar scenes played out in July on board a SpiceJet Delhi-Mumbai flight. Upset with the air-conditioning, two passengers tried to enter the cockpit after the aircraft had started taxiing on the runway.

The incident delayed the flight, which was scheduled to depart at 12.30 pm on July 14. It eventually took off after nearly seven hours.SpiceJet later said in a statement that the two unruly passengers were offloaded from the flight.

"Stay Away From Any Offers To Join Russian Army": Centre Warns Indians

Agency New Delhi.

India on Thursday issued a stern advisory cautioning its nationals against joining the Russian Army, amid reports that several Indians who had travelled to Moscow were being pushed into combat roles in the Ukraine war.

"We have seen reports about Indian nationals having been recruited recently into the Russian army. Government has on several occasions over the past one year underlined the risks and dangers inherent in this course of action and cautioned Indian citizens accordingly," the Ministry of External Affairs (MEA) said in a statement.

The Ministry confirmed that the issue has been raised with Russian authorities in both Delhi and Moscow, stressing that "this practice be ended and that our nationals be released"."We are also in touch with the families of the affected Indian citizens," it further added.The advisory followed a report in a leading newspaper, which stated that two Indian men, currently in the Donetsk region of eastern Ukraine, alleged they were lured to Russia under the pretext of construction jobs but were instead deployed on the frontline.Speaking over the phone from Selydove, a town captured by Russia in November 2024, they claimed that at least 13 more Indians were trapped in similar conditions.

The report stated that the two had travelled to Russia in the past six months on student or visitor visas. They alleged that an agent who promised them employment in the construction sector had misled them and sent them directly to the battlefield.

Reiterating its caution, the MEA urged Indian citizens to avoid such offers at all costs.

"We once again strongly urge all Indian nationals to stay away from any offers to join the Russian army as this is a course fraught with danger," the Ministry stated.

Supreme Court Orders SIT With Hindu And Muslim Officers To Probe 2023 Maharashtra Clashes

The order came after a petition alleged the Maharashtra police did not probe an assault case filed by a 17-year-old petitioner, Mohd Afzal Mohd Sharif.

Agency New Delhi.

The Supreme Court, while observing that a person after putting on the police uniform must rise above all kinds of biases, today asked for a Special Investigation Team (SIT) with both Hindu and Muslim officers to probe the May 2023 riots in Maharashtra's Akola. One person had died and eight others, including two policemen, were injured, in the violent clash in May 2023 over a social media post in Akola.While passing this unprecedented order today, the top court pulled up the Maharashtra Police over a "biased" probe into the communal riots.

"A person after donning the police uniform must rise above all kinds of biasness including on the ground of religion and caste and must discharge duty as per the law," the bench of Justice Sanjay Kumar and Justice Alok Aradhe observed.

The order came after a petition alleged the Maharashtra police did not probe an assault case filed by a 17-year-old petitioner, Mohd Afzal Mohd Sharif.

The plea filed against a Bombay High Court order sought civil and criminal actions against the erring police officers for dereliction of their duties, inaction and biased investigation of communal riots that broke out in Akola city in May 2023.According to the plea, on May 13, 2023, communal violence broke out in the old city area of Akola, resulting in the death of Vilas Mahadevrao Gaikwad and serious injuries to the petitioner, a 17-year-old.

The petitioner said he is a victim of severe assault during the communal riots. The petitioner was admitted to a hospital where the police recorded his statement on May 15, 2023.Despite having knowledge of the attack on the petitioner, the police did not register any case or investigate although serious cognizable offences were disclosed, the plea alleged. The petitioner had approached the High Court, Bombay (Nagpur Bench) citing its constitutional jurisdiction and inherent powers, but the High Court by its order dated July 25, 2024, refused to grant any relief and dismissed the writ petition filed by the petitioner.Aggrieved, the petitioner approached the Supreme Court.The top court today directed state Home Secretary of Maharashtra to constitute a SIT comprising of senior officers from both Hindu and Muslim communities to undertake the investigation.

NEWS BOX

Child dead, 9 others injured after car crashes into daycare in Canada

RICHMOND HILL. (Agency)

A young child was killed when an SUV smashed through the window of a daycare north of Toronto shortly before pickup time on Wednesday.

York Regional Police said the boy was just 1 1/2 years old. Six other children ranging in age from 18 months to 3 years old were also injured in the crash. One was still in critical condition hours later.

Police told a news conference that three staff members were also hurt at the daycare near Yonge Street and Nottingham Drive in Richmond Hill, Ontario.

Const. Kevin Nebrija said a driver in his 70s was arrested at the scene and police do not believe it was a deliberate act."As you can imagine, this was a very chaotic scene. I can tell you that the initial information suggests the vehicle was in the parking lot at the time, and for reasons unknown, drove through the front of the window," he said. "We can appreciate that this is a very alarming call for parents to receive and to attend at the end of their day."

He said all children had been accounted for and parents were been notified.At the scene in the early evening, small blue and green chairs could be seen past the jagged edges of a completely shattered front window. About a dozen police cruisers were in the parking lot.

Nebrija said at the time of the crash, there were 96 children present in more than one room in the building.

Medieval Jerusalem Organ Plays Again After 1,000 Years

World.(Agency)

The pipes of a medieval organ, buried for centuries and discovered near the Church of the Nativity in Bethlehem in the occupied West Bank, are once more filling a Jerusalem monastery with ancient melodies.

"This is a window into the past... we have the opportunity for the first time in modern history of listening to a medieval sound which is a thousand years old," said David Catalunya, a Spanish researcher who has worked for more than five years to bring the 11th-century instrument back to life.

"And it's not through a recreation or a hypothetical reconstruction, but it's really the original sound: the same vibration that the Crusaders heard at the Nativity Church," he told AFP.Dating nearly as far back as the invention of the instrument itself, it was discovered in 1906 at the Biblical birthplace of Jesus Christ.Catalunya pulls on small tabs to play the organ -- which he fondly refers to as a "miracle" -- expelling a formidable ringing from the otherwise modest wooden instrument.Currently housed in the Monastery of Saint Saviour in Jerusalem's Old City, the instrument is set to be displayed in a museum of the Franciscan Custody of the Holy Land."It's like finding a living dinosaur, because it's something we knew existed but we only know from fossils, so there's very limited evidence," said Alvaro Torrente, a musicologist who participated in the restoration project."This is not a fossil, this is the real object and the real sound," he told AFP.

Chance discovery

It was discovered "almost by chance," according to Father Eugenio Alliata, a Franciscan archaeologist attached to the mission in charge of several holy sites, including the Church of the Nativity in Bethlehem.

During construction of a pilgrim hostel, a set of 222 copper pipes and a bell carillon were unearthed near the site.It was seemingly buried wth "utmost care", according to Catalunya, meaning researchers were able to reconstruct the instrument with painstaking care.

What We Know About Utah College Where Charlie Kirk Was Fatally Shot

world. (Agency)

The Utah college where conservative activist Charlie Kirk was fatally shot Wednesday is the state's largest public university after years of rapid enrollment growth, but is lesser known than other colleges in the state.Utah Valley University was founded under a different name in 1941 as a vocational school focused on providing war production training. It didn't begin offering four-year degrees until the 1990s, a move

that fueled a fivefold increase in enrollment over the next three decades. It now has nearly 47,000 students, according to the university website.

Nearly nine out of 10 students at the school in Orem are from Utah, and 18% of students are 25 years old or older. Business and psychology are among the most popular majors.Utah Valley University's campus is right off a major highway about 40 miles (64 kilometers) south of Salt Lake City, where the state's flagship school, the University of Utah, is located.Utah Valley is also just a few miles away from Brigham Young University, which is owned by The Church of Jesus Christ of Latter-day Saints, known widely as the Mormon church.Utah is one of 14 states that allow some level of concealed carry of firearms on public college and university campuses. FBI Director Kash Patel initially said on social media that a "subject" had been taken into custody, only to later say that the person had been released after being questioned.A person of interest in Wednesday's shooting was in custody, officials said, but no information has been released about whetherthat person was legally carrying a weapon.

Malawians head to polls in economic despair

While the list of contenders is unusually crowded, voters have lost faith in the political class to deliver meaningful change to one of the poorest countries in the world, analysts say.

LILONGWE . (Agency)

Malawians vote for a new president next week in an election clouded by economic hardship as incumbent Lazarus Chakwera squares off against his predecessor in a race where few voters see a real alternative.Three of the 17 candidates for the September 16 polls have already served as president of the southern African nation and another is the current vice president.

While the list of contenders is unusually crowded, voters have lost faith in the political class to deliver meaningful change to one of the poorest countries in the world, analysts say."Whether it is Chakwera or (his predecessor Peter) Mutharika, nothing changes for us. It's like choosing between two sides of the same coin," said Victor Shawa, a 23-year-old unemployed man in the capital Lilongwe.Optimism that accompanied Chakwera coming to power has long since been eroded by runaway inflation of around 30 per cent, chronic fuel and foreign exchange shortages and corruption scandals touching senior government figures."People feel trapped," said Michael Jana, a Malawian national and political scientist at South Africa's Wits University."The economy is in crisis, the politicians are the same, and many Malawians don't believe this election will change their lives," he told AFP.Chakwera, a 70-year-old evangelical preacher, wants a second term after a mixed performance during a first run handed to him only after the 2019 election result was cancelled over rigging claims.

The 2020 rerun gave Chakwera, leader of the Malawi Congress Party (MCP), nearly 59 per cent of ballots, denying a second term to Mutharika, a lawyer, from the Democratic Progressive Party who had been ahead in the tarnished first round.

"I will vote for Chakwera because he has improved road infrastructure and supported youth businesses," said 20-year-old Mervis Bodole, a small trader from central Malawi. "But the cost of living is still too high and many of us are struggling."Mutharika, 85, is banking on discontent with Chakwera to revive his political fortunes. But his own term, which ran from 2014 until 2020, was marked by economic stagnation, shortages of basic goods and allegations of cronyism.

According to a survey of 2,400 voters by the Institute of Public Opinion and Research (IPOR) released last week, Mutharika leads with 41 per cent ahead of Chakwera at 31 percent.As outright victory requires 50 per cent plus one vote, analysts say a second round is all but inevitable.

Results are due a week after voting.

Joyce Banda, Malawi's only woman president (2012-2014), and Vice President Michael Usi are also running, but their chances are seen as slim and any role of kingmaker may go to former central bank governor, Dalitso Kabambe, who polls a distant third.For most Malawians, the choice on election day -- when hundreds of local and parliamentary seats are also up for grabs -- boils down to a single issue.

"The economy, the economy, and the economy -- in that order -- is what is driving this election," said Boniface Dulani, politics lecturer at the University of Malawi."Inflation, fuel shortages and corruption have eroded public trust in Chakwera, whose support has nearly halved since 2020," he said.While Chakwera has been in power, the country has been hit hard by the Covid pandemic, 2023's Cyclone Freddy that killed more than 1,200 people and successive droughts.

But critics argue that these exposed, rather than excused, the administration's lack of strategy."When people cannot afford food, when jobs are scarce, when inflation is out of control -- those factors influence the vote more than anything else," said Bertha Chikadza, president of the Economics Association of Malawi.

Massive gas tanker explosion in Mexico City kills three people and injures 70 others

MEXICO CITY . (Agency)

A gas tanker truck exploded and burned multiple vehicles under a Mexico City highway overpass Wednesday, killing three people and injuring 70 others, some with their entire bodies charred and others waiting for help in the road with burns and torn clothing.

The crash of the truck carrying more than 13,000 gallons (49,500 liters) of gasoline on a major highway sent flames and smoke billowing over the south of the capital.Mayor Clara Brugada called the explosion an "emergency" that burned nearly 30 vehicles and left 19 of those injured in grave condition, including the driver of the truck. Among those injured were a baby and a 2-year-old child.Brugada said prosecutors were investigating, but it appeared that the truck exploded after it tipped over on the highway.

"This is a horrible accident," the mayor said at the site of the explosion.

The gas tanker laying on its side had the logo of the energy business Silza on its side, but in a call with The Associated Press a company official who did not want to be identified denied it was their vehicle. The company did not immediately respond to an email requesting for comment or more details.Later in the night, Mexico's environmental ministry said in a statement that Silza didn't have updated insurance paperwork required to transport gas because it's application was rejected.

Images circulated online by authorities showed a mass of flames mushrooming from a truck. Others on social media show dozens of people screaming and running from the explosion.People whose entire bodies appeared to have been burned, some with tattered clothing melded onto skin, emerged from the flames. Others in the images had burned-off faces.

As emergency vehicles sped by and medics attended to the wounded, groups of neighbors ran helped pull burn victims from the fire and get them to safety.Lists of those injured showed some had up to 100% of their skin burned off.Mexican President Claudia Sheinbaum expressed her condolences to families of those who died in a post on X and thanked emergency teams for their work.

After fire teams snuffed out the flames with hoses and foam, Mexico City officials announced the flames were "completely under control."The explosion occurred on one of the most important roadways flowing out of the capital on the way to the city of Puebla. The roadway was reopened by evening.

Flash floods in Indonesia leave at least 15 dead and 10 missing

world. (Agency)

DENPASAR (Indonesia) Rescuers have recovered the bodies of 15 people who died in flash flooding in two Indonesian provinces, while authorities said Wednesday 10 others were missing.Torrential rains beginning Monday caused flooding and landslides in East Nusa Tenggara province and on the tourist island of Bali.Rescuers on Wednesday recovered the bodies of a mother and her child buried under mud in the worst-hit village of Mauponggo and a man in the neighboring village of Loka laba in Nagekeo district of East Nusa Tenggara, officials said. Previously, three members of a family were found dead after their house was swept away and four people were missing in Mauponggo village.In Bali, rescuers retrieved the body of a woman near the Badung market in Bali's provincial capital of Denpasar late Wednesday, according to National Disaster Mitigation Agency spokesperson Abdul Muhari. He said rescuers are searching for six people still mising in the province.Eight bodies were found earlier, including four people who were in a building that was swept away in the Kumbasari market area of South Denpasar, said Nyoman Sidakarya, the head of Bali's Search and Rescue Agency.Rain has caused rivers to burst their banks, tearing through nine cities and districts in Bali. Mud, rocks and trees tumbled onto mountainside hamlets and rising rivers submerged at least 112 neighborhoods and resulted in several landslides, Bali's Disaster Mitigation Agency said in a statement.

Videos released by the National Search and Rescue Agency showed cars floating in muddy waters while soldiers and rescuers in rubber boats helped children and older people who were forced onto the roofs of flooded homes and buildings.Severe flooding inundated thousands of homes and buildings in residential areas and tourist spots. Authorities have cut electricity and water, prompting hotels, restaurants, hospitals and other public facilities to use generators, Bali Gov. Wayan Koster said.There have been landslides in 18 neighborhoods of Karangasem, Gianyar and Badung districts and swept through at least 15 shops and houses and damaged several roads and bridges, he said.This disaster also caused material losses for traders and tourism businesses," Koster said, adding that more than 800 people were in temporary shelters after floodwater reached up to 2.5 meters (8 feet) in places.Local Disaster Mitigation Agency head Agustinus Pone said flash floods in Nagekeo swept away villagers and vehicles passing through devastated villages and triggered a landslide that blocked three roads, killing at least six villagers and four people were missing.

Kamala Harris says leaving reelection decision to Biden was 'recklessness,' but she defends his abilities

Washington . (Agency)

. Former Vice President Kamala Harris says it was "recklessness" for Democrats to leave it to President Joe Biden to decide whether to continue seeking another term last year, but she defends his ability to do the job, according to an excerpt of her new book.

Harris, in an excerpt of "107 Days" published Wednesday in The Atlantic, writes that as questions swirled about whether the then-81-year-old Biden should seek reelection, she and others left the decision to him and first lady Jill Biden."Was it grace, or was it recklessness? In retrospect, I think it was recklessness," Harris said.The remarks are the first time Harris has been publicly critical of Biden's decision to run again — an ill-fated decision that saw him drop out in July 2024 after a disastrous debate performance, leaving her to head up the Democratic ticket and ultimately lose to Republican Donald Trump."The stakes were simply too high," Harris writes in the book. "This wasn't a choice that should have been left to an individual's ego, an individual's ambition. It should have been more than a personal

decision."Biden's office did not immediately have a comment Wednesday. 23.Throughout the campaign and in its wake, Harris had avoided much criticism of the president she served beside and defended him amid questions about his mental acuity.In the book excerpt, Harris continues to defend Biden's ability to do the job but describes him in 2024 and especially at the time of his "debate debacle" as "tired."'On his worst day, he was more deeply knowledgeable, more capable of exercising judgment, and far more compassionate than Donald Trump on his best. But at 81, Joe got tired. That's when his age showed in physical and verbal stumbles," Harris writes. "I don't think it's any surprise that the debate debacle happened right after two back-to-back trips to Europe and a flight to the West Coast for a Hollywood fundraiser. I don't believe it was incapacity."She adds that if she believed Biden were incapacitated, she would have said so out of loyalty to the country.Harris also blames those close to Biden for unflattering media coverage throughout the time she served as vice president and throwing her under the bus to boost Biden's public standing.

Assassination of Charlie Kirk adds to America's roll call of public violence

WASHINGTON. (Agency)

In the tragic roll call of violence in American public life, Charlie Kirk's name joins what has fast become a long list.The influential 31-year old commentator, who cast his young professional life rousing other young people to embrace or debate his brand of conservatism, was slain doing what he does best: holding a provocative question-and-answer session on a college campus.Kirk had been sparring with a questioner at Utah Valley University over who commits gun violence. Then the shot rang out.

President Donald Trump, a survivor of assassination attempts including at a 2024 campaign rally, announced on social media: Kirk was dead."It has to stop," House Speaker Mike Johnson pleaded from the U.S. Capitol. "This is not who we are."Condemnation of the violence came quickly, from all corners and across the political divide, and it was universal. But it has never been enough. Within minutes a shouting match erupted during a moment of silence in the House.One Republican lawmaker wanted an actual prayer for Kirk; Democrats called for changes in gun laws. Online, certain far-right figures responded with anger and pointed blame. And so did Trump."We're moving in a very dangerous direction, and I think we have been moving in this direction for quite some time," said Kurt Braddock, an assistant professor of public communication at American University.Though nothing is publicly known about the shooter or the motive in this case, Braddock said it can't be ignored that polarization and normalization of violence have become threaded through U.S. politics."It's incumbent on both sides to take steps to lower the temperature and make it clear that violence should never be considered an acceptable form of political action," he said.The nation's long history of violence in the public realm carries many data points. It has felled presidents, presidential contenders, activists like Kirk and some of the most consequential figures in American civic life — Abraham Lincoln, the Rev. Martin Luther King, Jr.

Among those who have survived the violence, Trump does not stand alone. Elected officials in the U.S. have been shot at and critically wounded while talking to voters outside a grocery store in Arizona;

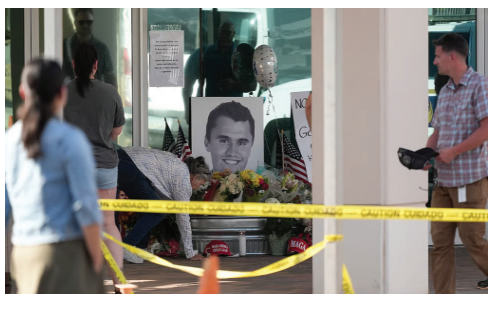

practicing for a congressional baseball game in Virginia; answering the door to their own home in Minnesota. The governor's house in Pennsylvania was set ablaze as he and his family slept inside. Members of Congress fled the Jan. 6, 2021 attack on the U.S. Capitol."It's time for all Americans and the media to confront the fact that violence and murder are the tragic consequence of demonizing those with whom you disagree day after day, year after year," said Trump — who then proceeded to blame what he called the "radical left" for the attacks.Bruce Hoffman, a senior fellow for counterterrorism and homeland security at the Council on Foreign Relations, said how the country responds to Kirk's killing will be crucial to what happens next."In the past, we had elected officials that would seek to bring the country together rather than to cast blame," he said. "We'll have to see what in the coming days our national leaders have to say about this, and whether they can be effective in lowering the temperature."College campuses where Kirk draws robust and curious crowds to discuss not just politics but their questions about growing into adulthood have often been battlegrounds of ideas and centers of American thought, from the Vietnam War protests at Kent State to the Israel-Hamas war demonstrations of the Trump era.

NEWS BOX

WrestleMania may debut outside USA, Saudi Arabia tipped as 2027 hosts: Report

New Delhi. (Agency)

The unthinkable has finally become reality as WrestleMania, WWE's biggest and most iconic event, is rumoured to be heading outside the United States for the very first time. According to Saudi adviser Turki Alalshikh, the Kingdom of Saudi Arabia will host WrestleMania 43 in 2027. The news broke during Alalshikh's Snapchat live stream on Wednesday, instantly setting the wrestling world abuzz.In his translated statement, Alalshikh proudly announced: "WrestleMania has been announced, for the first time outside of America, WrestleMania in the Kingdom of Saudi Arabia 2027." Shortly after, PWInsider's Mike Johnson confirmed the story's authenticity, noting that a press release had gone out in Arabic earlier in the day before being pulled back for timing reasons. WWE itself has yet to issue a formal confirmation, but with multiple sources lining up, the announcement looks all but official.

For years, Saudi Arabia has been rumoured to be chasing WrestleMania. The Kingdom has already secured blockbuster WWE events, such as the Greatest Royal Rumble in 2018, and continues to host premium shows under its long-term partnership with WWE. However, WrestleMania is a different beast, known as the "Showcase of the Immortals," where legends are made and history is written. If all goes as planned, 2027 will mark the first time in its 40+ year history that WrestleMania leaves American soil.

This isn't just big news for wrestling fans, but it's also another step in Saudi Arabia's mission to position itself as a global sports and entertainment hub. Over the last few years, the Kingdom has thrown its weight behind high-profile events across multiple sports. From hosting Formula 1 races in Jeddah to bringing in mega fights in boxing and MMA, Saudi Arabia has turned itself into a must-stop destination on the international sports calendar.Esports, too, has found a new home there. In 2024 and 2025, Riyadh hosted the Esports World Cup (EWC), which was a groundbreaking event that drew the best players and organisations from around the world with record-setting prize pools and production values.

Salman Agha unfit? Pakistan face injury scare before Asia Cup campaign

New Delhi. . (Agency)

Pakistan were handed a brief injury concern ahead of the Asia Cup 2025, as captain Salman Agha skipped a major part of Wednesday's training session at the ICC Academy in Dubai. The all-rounder, who is set to lead Pakistan against Oman on Friday, September 12, at the Sheikh Zayed Stadium in Abu Dhabi, was spotted with a bandage on his neck after experiencing a mild spasm.

As per reports on Geo News, although he travelled with the squad, Salman stayed away from warm-ups and light football drills, while the rest of the players went through a complete fitness routine. His restricted movement sparked worries in the camp, particularly with the high-voltage clash against India on Sunday approaching.The Pakistan Cricket Board

(PCB), however, played down the concerns, clarifying that the issue is minor and precautionary in nature. Salman is expected to return to full training shortly, and the team management remains confident that their skipper will be fit to lead Pakistan in the crucial Asia Cup 2025 fixtures ahead.

'Pakistan playing good cricket'

Pakistan are rebuilding under coach Mike Hesson, having moved on from former captains Babar Azam and Mohammad Rizwan after the 2024 South Africa series. Salman now leads the team following a turbulent 18 months. Confident of their prospects, Pakistan will face India, UAE, and Oman in the Asia Cup group stages—marking their first major tournament without the senior duo.

Asia Cup 2025: UAE head coach admits batters were overawed by India stars

UAE head coach Lalchand Rajput admitted his batters were overawed by India's stars after a nine-wicket defeat in the Asia Cup 2025 opener. He said the experience against world-class spinners will be a key learning step for his young side.

New Delhi. (Agency)

"India showed their strength in Dubai with a crushing nine-wicket win over hosts United Arab Emirates in their opening Asia Cup 2025 match on Wednesday. The UAE were bowled out for just 57 in 13.1 overs, before India chased down the target in only 4.3 overs.After the game, UAE head coach Lalchand Rajput admitted his players were overwhelmed by both the occasion and the star names in the Indian side."It was not really a turning track, it was a good wicket to bat on," Rajput said. "But the skill these bowlers have, especially the wrist-spinners, means they can turn the ball on any surface. For our batters, it was the first time playing against such quality, and they were overawed by India's big names. We should have batted 20 overs, but it's a learning process for us."India's spinners were the difference. Kuldeep Yadav produced a brilliant spell of 4 for 10, while Shivam Dube chipped in with 3 for 4. Varun Chakravarthy, Axar Patel and Jasprit Bumrah also picked up wickets as India's bowlers made light work of the UAE batting."World champions will always crush teams," Rajput added. "It was fine till the powerplay, but once the spinners came on, everything changed. There wasn't much turn, but with Kuldeep and Varun, even top players find it hard."Rajput also pointed out how the presence of India's star names had an effect on his players. "This Indian team is full of stars — Shubman Gill, Jasprit Bumrah, Hardik Pandya, Suryakumar Yadav, the list goes on. These are players the whole world follows. Our boys don't often get a chance to play against them, so naturally they felt the pressure."Still, the coach stressed that matches like these are vital for his team's development. He reminded everyone that the UAE recently beat Bangladesh in a T20I series and pushed Afghanistan close.

"This is all part of the journey," he said. "The more our players face these kinds of bowlers, the more confidence they will gain. Playing against India will only help them grow. We will take the lessons and move forward."For Rajput and his team, the loss was heavy, but the experience may prove priceless as the UAE continue their push to compete with bigger nations.

NBA to scrap missed half-court shots from stats in end-of-quarter heaves: Report

The NBA has introduced a rule excluding missed half-court shots in the last three seconds of quarters from player statistics. This change aims to protect player shooting percentages while encouraging more exciting buzzer-beater attempts.

New Delhi. (Agency)

As of September 10, 2025, the NBA officially rolled out a new rule. From now on, missed half-court shots taken in the final three seconds of the first three quarters will no longer count against a player's field goal percentage. The change, which was first tested during the 2025 Summer League, comes after years of debate. According to league data from 2024, only about 1% of these wild, end-of-quarter heaves actually go in, which meant players were getting punished on their stats for even trying.For many stars, this adjustment feels like a sigh of relief. Take Stephen Curry, for example. The Golden State icon owns a career field-goal percentage of 43.1% (cred NBA.com, 2025). Until now, he and other sharpshooters often hesitated to throw up desperation heaves because it chipped away at their efficiency numbers. By scrubbing these misses from the books, the league hopes to strike a balance which is letting players keep their stats intact while still encouraging highlight worthy attempts. A photo shared with the announcement shows Curry mid-heave, considerably a fitting image since no one represents long-range daring quite like him.The rule didn't come out of nowhere. During the 2024 NBA Finals, Boston Celtics guard Payton Pritchard drilled a couple of deep buzzer beaters against the Dallas Mavericks, proving that even the most improbable shots can shift momentum. Those moments lit up the crowd and reminded everyone how exciting these plays can be, even if they are rare. It likely pushed the league to rethink how much weight these heaves should carry in the stat sheet.

With the 2025-26 season just around the corner, everyone will be watching to see how this plays out. Coaches might change their end-of-quarter strategies, players may feel freer to launch shots, and fans could be treated to more electrifying buzzer-beaters. At the end of the day, the rule is a compromise because it protects player stats while keeping the thrill of the game alive.

WWE NXT Homecoming returns to Full Sail with iconic stars and dream matches

New Delhi. (Agency)

Next week, WWE is bringing NXT back to where it all began, which is the Full Sail University. This is for a special episode titled "NXT Homecoming." The event is shaping up to be both a reunion and a showcase, with some of the brand's most iconic names returning to step back inside the black-and-gold ring.

Fans already got a taste of what's to come during last night's NXT, where the surprises came one after another. Carmelo Hayes, Tyler Breeze, Tiffany Stratton, Stephanie Vaquer, and Rhea Ripley all made shock appearances, instantly setting the internet on fire. The best part about it? Each of them will be lacing up their boots for matches on next week's Homecoming card, giving longtime NXT fans a healthy dose of nostalgia while also connecting the past with the present.The women's division is also taking centre stage in a six-woman tag team bout that looks like absolute chaos just waiting to happen. Rhea Ripley, Tiffany Stratton, and Stephanie Vaquer will join forces in a

powerhouse trio to take on the team of Jacy Jayne, Fallon Henley, and Jazmyn Nyx.In another marquee bout, NXT North American Champion Ethan Page will put his title on the line against the ever-popular Tyler Breeze. Breeze was one of the original pillars of NXT, and his return to Full Sail feels like the perfect homecoming moment. But Page has been building momentum as champion and won't want to drop his belt in such a high-profile setting.Perhaps the biggest emotional hook comes from the reunion of Trick Williams and Carmelo Hayes, who will face none other than Johnny Gargano and Tommaso Ciampa. For years, DIY (Gargano and Ciampa) carried NXT with legendary matches that defined an era. They will now collide with the new generation's heart and soul, giving fans a true dream match that bridges two of the brand's greatest duos.

Premier League: Man City's Omar Marmoush ruled out of Manchester derby

OSLO.. **(Agency)**

Manchester City will be without striker Omar Marmoush for Sunday's Manchester derby after the Egyptian forward suffered a knee injury while on international duty, the club confirmed on Wednesday. The news adds to City's growing injury crisis ahead of one of the biggest matches of the Premier League season.Marmoush lasted only a few minutes in Egypt's 0-0 World Cup qualifying draw with Burkina Faso on Tuesday before going down from a challenge. The team doctor confirmed that the 26-year-old sustained a bruised knee ligament, forcing him to retire from the match."Initial results on a scan performed in Egypt indicate he will not be available for the Manchester derby on Sunday, and he will now return to Manchester for further assessment and to begin his rehabilitation," the club said in an official statement.Marmoush joined Manchester City in January last season and made an immediate impact, finishing his debut campaign with eight goals and four assists across all competitions. However, he has yet to score this season, making his absence a significant blow for Pep Guardiola as City look to regain momentum in the league.

The injury comes at a difficult time for City, who are currently 13th in the Premier League standings after three rounds, with just one victory. Guardiola's squad has already been hit by long-term injuries to Rayan Cherki and Mateo Kovacic, while Phil Foden and Savinho are also doubts ahead of the high-profile derby. Marmoush's unavailability further reduces options in attack and puts more pressure on the manager to adjust his game plan.Marmoush's skill and pace had been seen as key to City's hopes of turning their season around, and losing him for such a crucial fixture will require other players to step up. Guardiola will now have to rely on his remaining forwards to provide the spark against Manchester United, a team eager to take advantage of City's current struggles.

Satwik-Chirag survives another scare, advances to quarterfinal of Hong Kong Open

Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty overcame a tough challenge from Thailand to enter the Hong Kong Open quarterfinals. They took an hour and three minutes to win the match 18-21, 21-15, 21-11.

New Delhi. (Agency)

India's top men's doubles pair, Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty, advanced to the quarterfinals of the Hong Kong Open, but not without a scare. On Thursday, September 11, the World No.9 duo rallied from a game down to defeat Thailand's Peeratchai Sukphun and Pakkapon Teeraratsakul 18-21, 21-15, 21-11 in an hour and three minutes.

The Thai pair, ranked world No. 42, shocked the Indians by snatching the opening game 21-18 with sharp net play and stubborn defense. However, the reigning Asian Games gold medalists regrouped quickly, tightening their attack and dictating the pace in the second game.In the decider, Satwik's thunderous smashes and Chirag's lightning reflexes at the net left the Thais with no answers as the Indians stormed to a dominant finish.Satwik and Chirag will now face Malaysia's Junaidi Arif and Roy King Yap in the quarterfinals. The Malaysian duo booked their spot with a 21-17, 21-19 win over Choong Hon Jian and Muhammad Haikal in their Round of 16 clash.Satwik and Chirag were made to work hard in their Hong Kong Open opener. Fresh from their bronze medal at the 2024 World Championships in Paris, they battled past Taiwan's Chiu Hsiang Chieh and Wang Chi-Lin 21-13, 18-21, 21-10 on Wednesday, September 10, in the BWF Super 500 event.

The Indians began in commanding fashion, with Chirag dominating at the net and Satwik unleashing his trademark smashes to cruise through the first game. However, the momentum swung in the second as the Taiwanese tightened their defense, engaged in longer rallies, and capitalized on unforced errors to force a decider.

In the third game, Satwik and Chirag regrouped quickly. They sharpened their shot-making, applied relentless pressure, and took charge of the net exchanges. Building an early lead, they never looked back, closing out the contest with authority to advance despite the second-game setback.

Who Needs Promo When

Divya Khossla's

Dance Is Already The Star Of Ek Chatur Naar

Divya Khossla is all set to impress with her upcoming black comedy thriller, Ek Chatur Naar. Fans are already excited after the release of the trailer and title track, and now the lead actress is creating more buzz with her stunning appearance during the film's promotions.Recently, Divya was spotted at the T-Series office in an elegant and effortless look. Paparazzi captured her as she confidently walked in, carrying the charm of the film's main character.

In a light-hearted video that is being widely shared, Divya playfully invited a paparazzi to dance with her. She pulled him, told him to set aside his phone, and together they performed a few dance moves to the catchy title track. She wore a pastel floral saree with simple makeup and minimal accessories, giving off a breezy and sophisticated vibe. Her open hair and bright smile made the moment more delightful, leaving fans in awe.

The Movie Promises Suspense and Twists

Ek Chatur Naar, directed by Umesh Shukla, is shaping up to be a thrilling mix of suspense, comedy, and clever twists. The trailer gives a glimpse of an intriguing story full of deception and mind games. It runs for two minutes and thirty-six seconds, setting up an atmosphere of mystery. Divya Khossla and Neil Nitin Mukesh play the lead roles, with each character hiding secrets behind their smiles.

Neil Nitin Mukesh appears mysterious and menacing, while Divya seems innocent at first but hints at a hidden edge in her personality. The trailer leaves viewers curious about what lies beneath their facades, suggesting that the story will be full of unexpected turns.

Star-studded Cast and Big Release

Besides Divya and Neil, Ek Chatur Naar stars Chhaya Kadam, Sushant Singh, Rajniesh Duggal, Zakir Hussain, Yashpal Sharma, Heli Daruwala, Rose Sardana, and Geeta Agarwal Sharma in important roles.

The movie is produced by Umesh Shukla, Ashish Wagh and Zeeshan Ahmad under Merry Go Round Studios, while T-Series presents it. The film is all set to hit the big screens on September 12, this year, and promises to be an entertaining watch for fans of dark comedy and thrillers.Divya's vibrant promotional efforts and the film's intriguing trailer suggest that Ek Chatur Naar could be a refreshing addition to this genre.

Selena Gomez's

Only Murders In The Building Co-Star Martin Short 'Thrilled' About Her Engagement

Martin Short is "thrilled" about Selena Gomez and Benny Blanco's engagement.The 75-year-old actor praised his "absolutely lovely" Only Murders in the Building co-actor and admitted he couldn't be happier that she's found a "fabulous" partner in the 37-year-old producer.

Speaking on the Good Hang with Amy Poehler podcast, he said of Selena: "I just adore her. I'm so happy that she's getting married to this fabulous guy, Benny Blanco, who's just one of the great, cool guys and funny and loose, and she adores him.

"I'm just thrilled for her happiness, and I'm thrilled to get to work with her."Last week, Martin and his other Only Murders in the Building co-star, Steve Martin, joked they weren't invited to Selena and Benny's wedding but planned to gatecrash in order to honour the pair with a unique gift.Steve, 80, told Extra: "First, we're not invited. But we are going to parachute in with hand mics and do something."

Martin quipped: "Absolutely. And, you know, I'm doing a medley, again, of songs that weren't nominated… but, again, haven't been asked."And Selena insisted that was something she'd love.

Asked the perfect gift from her co-stars, she said: "This is the gift, honestly."Martin joked: "I was going to ask you. Because you have a salt and pepper shaker, right?"

Steve added: "I have the perfect wedding gift, and we are going to give it to them together."The hit murder mystery comedy series is returning for a fifth season, and Selena admitted she has had a "blast" working with the iconic comedic actors.

She told E! News: "I'm so happy that it's been five years working with Steve and Marty, it's been a blast, I feel very fortunate and blessed."Meanwhile, Steve joked that he learns a lot about Selena's life by reading about her in the media.He added: "So much has happened in her life, even as an outsider, but even as an insider in the hallway – I mean backstage, offstage, in the hallway, the dressing room.

"The life off camera is, you know… we know her and we read about her. So we have to put it all together!"

Turning to Martin, he quipped: "I never read about you!"Benny and Selena confirmed their relationship in December 2023, before announcing their engagement a year later.

Kubbra Sait Cries For Food In Rise And Fall, Calls Upma 'Concrete'

Known for her unconventional choices and fearless performances on both the big screen and streaming platforms, actress Kubbra Sait has now embarked on a brand-new journey. For the first time in her career, the Sacred Games star has signed up for a reality television show, Rise and Fall. The show challenges contestants with extreme situations that reflect real-world disparities of wealth and power, pushing them to adapt in ways they never imagined.

Taking to Instagram, Kubbra shared a candid reel that gave fans a glimpse into the struggles she is facing inside the show. The video contrasted her life before Rise and Fall, where she could indulge in a variety of global delicacies, to her current situation where she has to make do with basic meals. One food item in particular, upma, left her visibly emotional.

In the reel, Kubbra is seen saying, "It's such a dumb thing to cry about but I actually hate it." She explained that she never liked eating upma, not even as a child and now she has no option but to eat it regularly. Calling the dish "concrete," she posted the clip with the caption: "Look what made me CRY. UPMA. #RiseAndFall" along with the emotional song Tadap Tadap.

From Sacred Games to Reality TV

Kubbra Sait has established herself as a versatile performer over the years. She has worked in films like Sultan, Ready and City of Life, but it was her portrayal of Kukoo in Netflix's Sacred Games that earned her widespread acclaim and recognition. More recently, she appeared opposite Ajay Devgn in Son of Sardaar 2. On the OTT front, she is all set to return as Sana in the much-anticipated second season of The Trial.

What Rise and Fall is All About

The concept of Rise and Fall mirrors the harsh realities of economic inequality in society. Hosted by Ashneer Grover, the show begins with contestants choosing between two suitcases – a golden one containing Rs 6 lakhs and a silver one with Rs 1 lakh. Those who picked the golden suitcase were crowned as "rulers," while the others were relegated to the basement as "workers."

Anjum Fakih Can't Hold Back Tears As Anita Hassanandani Meets Her Son On Chhoriyan Chali Gaon's Set

Anita Hassanandani is currently busy shooting for Chhoriyan Chali Gaon in one of the remote villages of Madhya Pradesh. Her appearance on the reality show marks the first time she has been away from her four-year-old son, Aaravv Reddy, for such a long period. Recently, when they reunited in one of the segments of the show, the doting mother became extremely emotional.In a video posted by the makers on the official handle of the show, we can spot Anita Hassanandani busy with the chores of her village life for the show. This is when her baby boy, Aaravv, enters the frame and runs towards his loving mother. Soon after reuniting with him, the actress turned extremely emotional and teary-eyed.

Anjum Fakih Turns Emotional At Anita Hassanandani And Her Son's Affectionate Moments

The little boy even gifted her a piece of his drawing. But without paying much attention to it, she was initially seen hugging her son and showering him with kisses. The adorable reunion of the mother-son duo even left Anita's close friend and co-contestant, Anjum Fakih, emotional.

"Aarav aaya hai apni mom ke paas chhodhkar town, aur use dekhkar Anita ji ka ho gaya hai breakdown (Aarav has come to meet his mother, leaving the town, and meeting him Anita has a breakdown)!," read the caption of the post.

Soon, social media users reacted to the adorable reunion between Anita Hassanandani and her son. A user said, "Mujhe toh rona aa gya." Another person added, "It seems clearly how much he has missed u." Echoing the same emotion, someone said, "I don't know why I am crying here." Meanwhile, a comment read, "That's the difference between mother and child while everyone thought about the game and didn't talk to the family members but anita a mother didn't care about the game."

Anita Hassanandani, Her Son And Her Husband Spent A Day In The Village Together

In another post, the 44-year-old was also seen roaming around the village alongside her husband, Rohit Reddy and their son, Aaravv. The post was captioned as "Anita ji ne apne parivaar ke saath gaon mein machaaya khoob hungama, kya aapko bhi bahut cute laga inke chhote se family ka pyaar bhara sama (Anita roamed around the village with her family, did you also find the loving atmosphere of her small family very cute)?"